वर्ष : 34 ▸ अंक :34 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

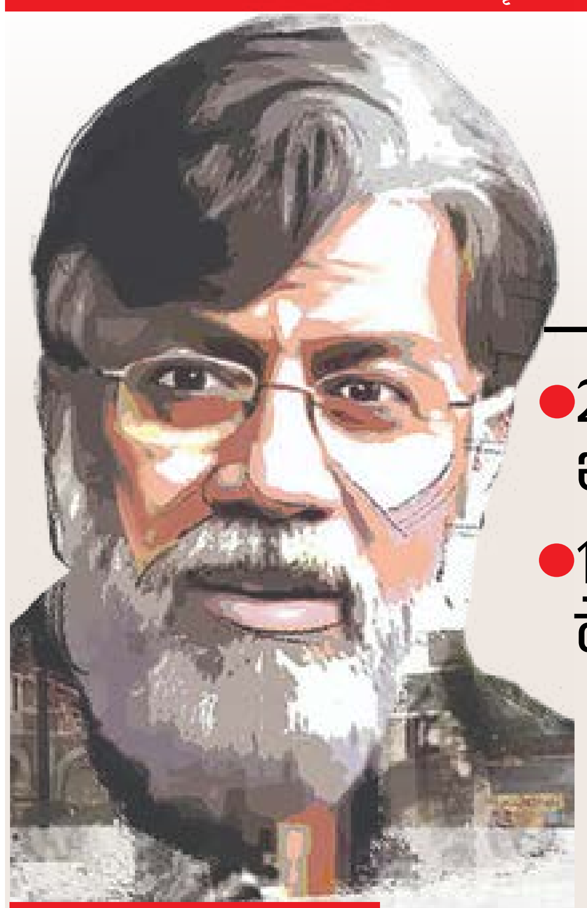

भारत लाया गया मुंबई हमले का गुनहगार

- 26 नवंबर 2008 को हुआ था मुंबई आतंकी हमला
- 16 साल की कानूनी लड़ाई के बाद हुआ प्रत्यर्पण

▸▸ विशेष विमान से राणा को दिल्ली लाया गया

▸▸ पटियाला हाउस कोर्ट में होगी पेशी

एजेंसी । नई दिल्ली

मुंबई हमले का साजिशकर्ता 64 वर्षीय तहव्वुर हुसैन राणा गुरुवार को अमेरिका से भारत पहुंच गया है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गुरुवार को बयान जारी कर ये जानकारी दी। एनआईए ने कहा कि इसी के साथ राणा द्वारा प्रत्यर्पण रोकने की सभी कोशिशों भी विफल साबित हो गई हैं।एनआईए ने बताया कि विशेष विमान से राणा को कड़ी सुरक्षा के बीच दिल्ली के पालम एयरपोर्ट लाया गया। राणा की अदालत में पेशी को लेकर पटियाला हाउस कोर्ट में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पटियाला हाउस कोर्ट में उसकी पेशी की संभावना को देखते हुए कोर्ट परिसर को सुबह से ही पूरी तरह छावनी में तब्दील कर दिया गया। तिहाड़ जेल सूत्रों की मानें तो राणा को तिहाड़ जेल में रखा जाएगा। राणा पर निगरानी के लिए विशेष टीम भी बनाई गई है जो 24 घंटे उसकी निगरानी करेगी। एनआईए ने बताया कि अमेरिका के न्याय विभाग, स्काई मार्शल और दूसरे देशों की खुफिया एजेंसियों के साथ बेहतर ढंग से समन्वय से ही राणा का सफल प्रत्यर्पण संभव हो सका है।

राणा के हिस्से में हर बार हार

- 16 मई 2023 को कैलिफोर्निया की जिला अदालत ने राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी
- 10 अगस्त 2023 को राणा की अपील को अमेरिकी जिला न्यायाधीश ने फिर खारिज किया
- राणा 9वें सर्किट अमेरिकी अपील न्यायालय गया, 15 अगस्त 2024 को याचिका खारिज
- 04 अप्रैल 2025 को अमेरिका की शीर्ष अदालत ने राणा की समीक्षा याचिका को खारिज किया

हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

राणा के प्रत्यर्पण के बाद राजधानी में खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां हाई-अलर्ट पर हैं। पटियाला हाउस कोर्ट के गेट नंबर-1 से लेकर 13 तक दिल्ली पुलिस, अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात रहे। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए आगंतुकों की गहन तलाशी ली गई। मेटल डिटेक्टर लगाए गए थे और सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी गई थी। सुरक्षा के लिहाज एनआईए मुख्यालय के पास स्थित जेएलएन मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर दो को भी बंद कर दिया गया था।

वकीलों के नाम भी तय हुए

राणा के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी अदालत में भारत का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन एनआईए की ओर से अभियोजन पक्ष का नेतृत्व करेंगे। कृष्णन वर्ष 2010 से प्रत्यर्पण कार्रवाई से जुड़े हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार देर रात आदेश जारी कर कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णन को विशेष अभियोजक नरेंद्र मान मदद करेंगे जो आपराधिक मामलों के अनुभवी वकील हैं। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि मान तीन साल या केस के हल होने तक जुड़े रहेंगे। सूत्रों की मानें तो अभियोजन टीम में एनआईए के वकील के अलावा अधिवक्ता संजीवी शेषाद्रि और श्रीधर काले भी शामिल होंगे।

अमेरिकी अदालत में पेश किया पक्ष

राणा के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी अदालत में भारत का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन ने मजबूती से अपना पक्ष रखा। इसी का नतीजा है कि राणा भारत पहुंचा है। अमेरिकी अदालत में चली कार्रवाई से जुड़े एक सूत्र ने बताया की राणा के प्रत्यर्पण से जुड़ा सबसे अहम फैसला 16 मई 2023 को आया जब कैलिफोर्निया की जिला अदालत के जज ने दलीलें सुनने के बाद प्रत्यर्पण की अनुमति दे दी थी। अदालती कार्रवाई के दौरान कृष्णन और राणा के वकील पॉल गार्लिक क्यूबी के बीच तीखी बहस भी हुई थी।

मुंबई से आया गुनाहों का रिकॉर्ड

राणा के प्रत्यर्पण से पहले एनआईए ने दिल्ली की अदालत में अर्जी दी थी कि मुंबई हमले से जुड़े रिकॉर्ड मुंबई से मंगाए जाए। 28 जनवरी को दिल्ली के जिला जज विमल कुमार यादव ने मुंबई की अदालत को आदेश जारी कर मामले से जुड़े सभी रिकॉर्ड अदालत को सौंपने को कहा था। सूत्रों की मानें तो राणा के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने का मामला एनआईए दिल्ली ने दर्ज किया था। इसलिए मामले की सुनवाई भी दिल्ली में होगी। राणा को लेकर सुनवाई के लिए जांच एजेंसी ने पूरी तैयारी कर ली है।

पाक ने कहा उसका लेनादेना नहीं

पाकिस्तान ने कहा है कि 26/11 हमले के मामले में कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा से उसका कोई लेना देना नहीं है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफाकत अली ने गुरुवार को ये बात कही। उन्होंने कहा राणा ने पिछले दो दशक से अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया। मालूम हो राणा का जन्म 1960 में पाकिस्तान में हुआ था और पाक सेना में डॉक्टर भी रह चुका है। 1990 में वो कनाडा का नागरिक बन गया था। पाकिस्तान ने कहा है कि हमारे रिकॉर्ड में राणा कनाडाई नागरिक है।

वर्ष 2023 में प्रत्यर्पण का ओदश

कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 16 मई 2023 को उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। इसके बाद राणा ने नौवीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में कई मुकदमे दायर किए, जिनमें से सभी खारिज कर दिए गए। इसके बाद उसने सर्टिओरीरी रिट, दो बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक आपातकालीन आवेदन दायर किया। यह सभी याचिकाएं खारिज कर दी गईं। भारत द्वारा वांछित आतंकवादी के लिए अमेरिकी सरकार से आत्मसमर्पण वारंट प्राप्त करने के बाद दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण कार्यवाही शुरू की गई थी।

अमेरिकी जेल में नहीं है राणा

अमेरिका के जेल ब्यूरो ने पहले ही बयान जारी कर कह दिया था कि मुंबई आतंकी हमले का आरोपी तहव्वुर राणा उसकी कैद में नहीं है। संघीय जेल ब्यूरो की वेबसाइट पर अपडेट जानकारी के अनुसार राणा 8 अप्रैल से जेल ब्यूरो की हिरासत में नहीं है। एक अधिकारी ने कहा कि अगर कोई प्रत्यर्पण का कैदी बीओपी की हिरासत में नहीं है, इसका मतलब ये है कि वो किसी अन्य न्याय प्रणाली के तहत हिरासत में रहता है। जेल ब्यूरो ने ये भी कहा है कि वे किसी कैदी की जानकारी सार्वजनिक तौर पर साझा नहीं कर सकता है।

मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

▸▸ 60 युवाओं को म्यांमार भेजकर करवाई जा रही थी साइबर ठगी

▸▸ मुख्य आरोपी 'मैडी गोपी' गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने मानव तस्करी और साइबर फ्रॉड के एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी मनीष उर्फ मैडी गोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह लगभग 60 युवाओं को फर्जी नौकरी का झांसा देकर म्यांमार और थाईलैंड भेज रहा था, जहां उन्हें एक चीनी कंपनी के लिए जबरन साइबर ठगी करवाने के लिए मजबूर किया जा रहा था।

अंधेरी से पकड़ा गया आरोपी

वडाला निवासी मैडी गोपी को मुंबई के अंधेरी के लोखंडवाला इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी एक होटल मैनेजर सतीश शर्मा की शिकायत के बाद हुई। पुलिस अब उसे अदालत में पेश कर रिमांड की मांग करेगी।

फर्जी नौकरी का जाल

युवाओं को थाईलैंड में नौकरी का लालच देकर बुलाया गया, लेकिन बाद में उन्हें अवैध रूप से म्यांमार ले जाया गया, जहां उन्हें डीबीएल नाम की नकली चीनी कंपनी के लिए ऑनलाइन ठगी करने पर मजबूर किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने प्रत्येक व्यक्ति को 1,000 डॉलर में रबेचार, और थाई मुद्रा में कमीशन लिया।

20 पीड़ित भारत लौटे, पुलिस को दी जानकारी

पिछले महीने 20 पीड़ित भारत लौटे और उन्होंने मानव तस्करों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि उन्हें धोखे से सीमा पार कराया गया और फिर अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया।

भारत से बाहर फैला गिरोह

जांच में सामने आया है कि यह गिरोह भारत, चीन, लाओस, म्यांमार और बैंकॉक तक फैला हुआ है। आरोपी फर्जी आधार-पैन का इस्तेमाल कर बैंक खाते खोलते थे और अवैध रूप से कमाए गए पैसे को क्रिप्टोकरेंसी में बदल कर ट्रांसफर करते थे।

फंसे अन्य युवाओं को लाने की कोशिश जारी

पुलिस का कहना है कि अभी भी कुछ युवक म्यांमार में फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी हैं। साथ ही गिरोह के अन्य साथियों की तलाश और आर्थिक लेन-देन की जांच भी तेज़ कर दी गई है।

कांस्टेबल निकला एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का मास्टरमाइंड

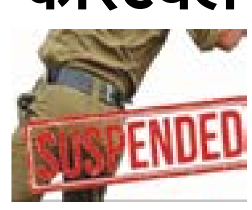

लातूर / मीरा रोड। लातूर जिले में करोड़ों की एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ करने वाले प्रवर्तन राजस्व निदेशालय (DRI) ने जिस मुख्य मास्टरमाइंड की पहचान की थी, वह कोई आम शख्स नहीं, बल्कि मीरा रोड के नयानगर पुलिस स्टेशन का कांस्टेबल प्रमोद केंद्रे निकला। गुरुवार को मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने केंद्रे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी है। डीआरआई की रिपोर्ट के आधार पर प्रमोद केंद्रे को निलंबित कर दिया गया है।

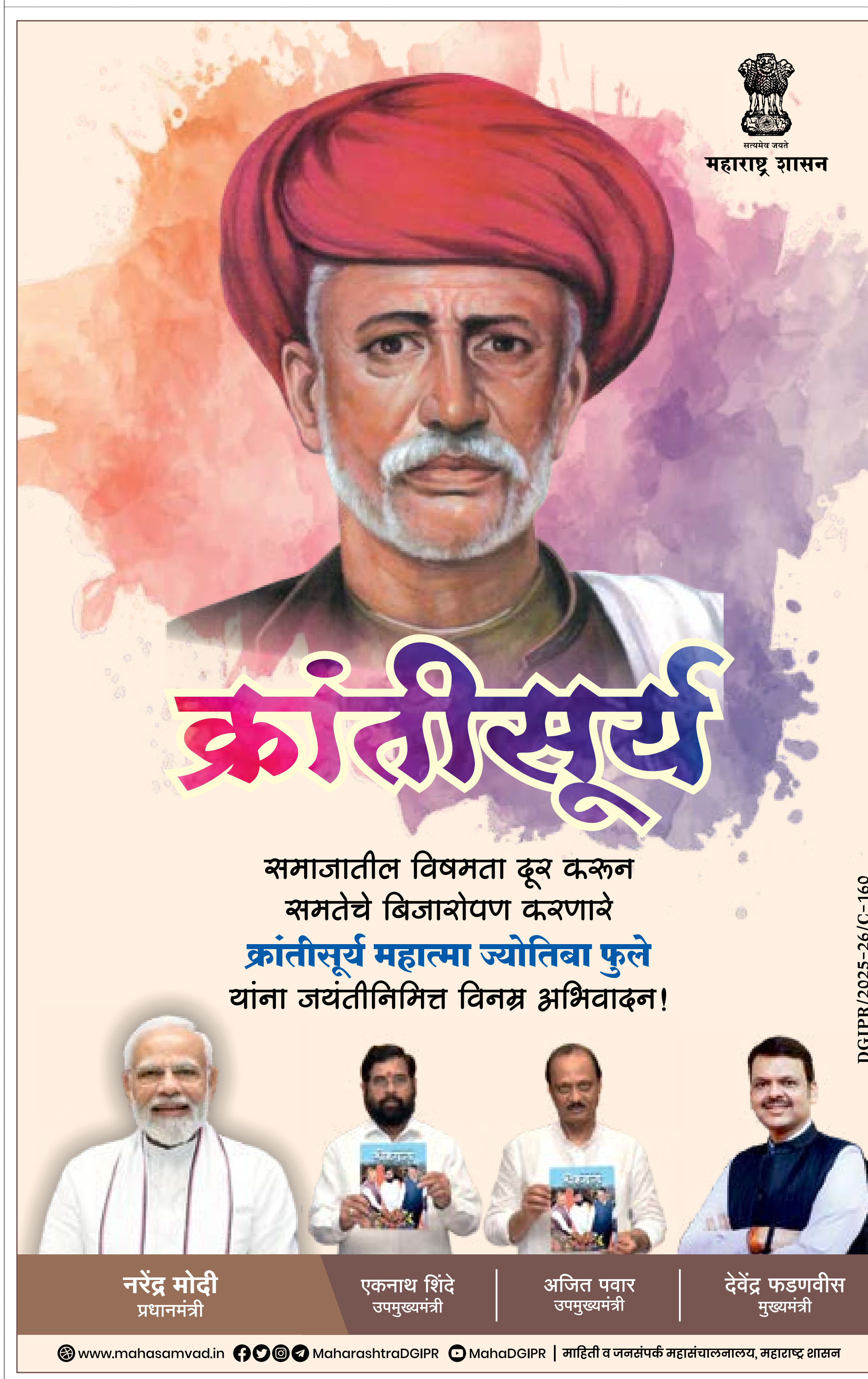

डैनेज पैलेट घोटाला

जांच अधिकारी के इंकार से जांच अटकी

विपक्ष ने सरकार पर लगाए आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के सरकारी अनाज गोदामों में डैनेज पैलेट की आपूर्ति में हुए कथित घोटाले की जांच एक बार फिर विवादों में घिर गई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा गठित जांच कमेटी के प्रमुख सुधाकर तेलंग ने निजी कारणों का हवाला देते हुए जांच से इंकार कर दिया है। इससे मामले में नया मोड़ आ गया है और जांच प्रक्रिया फिलहाल ठप पड़ गई है।

तेलंग के इनकार से बैठक टली

डैनेज पैलेट घोटाले की जांच के लिए अजित पवार एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाने ही वाले थे, जिसमें शिंदे गुट के विधायक और शिकायतकर्ता कृपाल तुमाने, तथा कांग्रेस नेता नाना पटोले को भी शामिल होना था। लेकिन जांच अधिकारी सुधाकर तेलंग द्वारा जांच से इंकार करने के कारण यह बैठक स्थगित कर दी गई है। विभाग की सचिव जयश्री भोज के अनुसार, तेलंग ने निजी कारणों से हटने का निर्णय लिया है और अब जल्द ही किसी नए अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी।

नाना पटोले का सरकार पर निशाना

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने इस घटनाक्रम को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, सरकार जानबूझकर इस जांच में देरी कर रही है।₹ पटोले ने अजित पवार से मुलाकात का समय मांगा है और इस घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मुंबई में पानी का संकट गहराया

जल टैंकर एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

मुंबई। मुंबई में जल संकट की स्थिति बनती नजर आ रही है, क्योंकि मुंबई जल टैंकर एसोसिएशन (एमडब्ल्यूटीए) ने गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। एसोसिएशन ने यह कदम नगर निगम द्वारा निजी कुओं के मालिकों को नोटिस जारी करने के विरोध में उठाया है। एसोसिएशन के प्रवक्ता अंकुर शर्मा ने बताया कि संगठन के पास करीब 1,800 पंजीकृत टैंकर हैं, जो शहर में 350 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) पानी की आपूर्ति करते हैं। लेकिन अब ये सभी टैंकर पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, "हमने अपना व्यापार बंद कर दिया है।" प्रवक्ता अंकुर शर्मा ने बताया कि नगर निगम और प्राधिकरणों ने नए सख्त नियम लागू किए हैं, जिनमें 200 वर्ग मीटर भूमि के स्वामित्व या पट्टे का प्रमाण, कुएं पर डिजिटल जल प्रवाह मीटर की अनिवार्यता, बीआईएस मानकों का पालन, जलग्रहण का दैनिक सटीक माप और केंद्रीय भूजल प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) शामिल हैं।

उल्हासनगर को 'उल्हास' बनाने की पहल

- आयुक्त मनीषा आव्हाले की अगुवाई में सफाई
- पानी और पार्किंग जैसे मुद्दों पर असरदार काम शुरू

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

समस्याओं से घिरा उल्हासनगर अब एक नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। शहर की कमान संभालते ही आयुक्त मनीषा आव्हाले ने साफ-सुथरे और पर्यावरणयुक्त शहर की कल्पना को जमीन पर उतारने की जोरदार शुरुआत की है। लोगों का कहना है कि जब एक महिला आयुक्त अकेले शहर को बदल सकती हैं, तो दर्जनों नगरसेवक इतने वर्षों में क्या कर रहे थे?

सड़कों से लेकर सीवरेज तक – हर मोर्चे पर सफाई अभियान

शहर की सड़कों के किनारे पड़ी धूल और कचरे को हटाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। टूटी सड़कों और जल पाइप लाइनों की मरम्मत शुरू हो चुकी है। नालों और नालियों की सफाई की जा रही है और उन पर जाली लगाई जा रही है, जिससे कचरा सीधे नदी-नालों में न जाए।

पानी संकट पर सख्ती, चोरी रोकने की ठोस योजना

उल्हासनगर में पानी की चोरी और दुरुपयोग बड़ी समस्या है। बिना कनेक्शन वाले कई घरों में अवैध रूप से पानी का इस्तेमाल हो रहा है। कुछ लोग उच्चदाब मोटर लगाकर दूसरों का हिस्सा भी खींच लेते हैं। आयुक्त ने सभी घरों में समान रूप से समय पर जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की योजना पर अमल शुरू कर दिया है।

अवैध पार्किंग और लावारिस गाड़ियों पर कसा शिकंजा

सड़कों से लावारिस वाहन हटाए जा रहे हैं और वैध पार्किंग के लिए सफेद पट्टी योजना लाई जा रही है। आयुक्त ने अवैध पार्किंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

ग्रीन मार्शल कर रहे प्लास्टिक पर निगरानी

20 ग्रीन मार्शल शहर में तैनात किए गए हैं, जो प्रतिबंधित प्लास्टिक बेचने और फेंकने वालों पर नजर रख रहे हैं और नियम तोड़ने वालों से आर्थिक दंड वसूल रहे हैं।

कचरा निस्तारण के लिए स्पेन की तर्ज पर योजना

डंपिंग ग्राउंड की पुरानी समस्या को हल करने के लिए आयुक्त खुद बदलापुर-पश्चिम में एक नई परियोजना का निरीक्षण करने पहुंचीं, जहां कचरे की वैज्ञानिक तरीके से प्रक्रिया की जाएगी। इस मॉडल को स्पेन की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है।

हर समस्या का ऑन स्पॉट निरीक्षण

मनीषा आव्हाले ऐसी पहली आयुक्त हैं जो मौके पर जाकर हर समस्या का जायजा ले रही हैं। उन्होंने साफ कहा है कि लापरवाही करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को घर बैठना पड़ेगा। आयुक्त ने उल्हासनगर के नागरिकों से अपील की है कि वे भी इस मुहिम में शामिल हों और शहर को उसका 'उल्हास' लौटाने में प्रशासन का साथ दें।

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए खुदे गड्ढे में डूबा बच्चा

लापरवाही

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

ठाणे जिले के भिवंडी कस्बे में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए खोदे गए गड्ढे में 12 वर्षीय एक लड़के के डूब जाने के बाद एक ठेकेदार के खिलाफ कथित लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है। मामले में स्थानीय एनसीपी सांसद सुरेश म्हात्रे ने दावा किया कि खुदाई स्थल के आसपास कोई बैरिकेड नहीं थे, जबकि परियोजना को क्रियान्वित करने वाली नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने कहा कि पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए थे।

ठेकेदार पर केस दर्ज

पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ दर्ज किया केस

वहीं नारपोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक भरत कामत ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम कोपर गांव में हुई, जब लड़का पानी से भरे असुरक्षित खुदाई स्थल में गिर गया। उन्होंने बताया कि ठेकेदार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (लापरवाही से मौत) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

हादसे पर एनएचएसआरसीएल ने जारी किया बयान

गुरुवार को जारी एक बयान में, एनएचएसआरसीएल ने कहा कि लड़का कथित तौर पर खंभों के निर्माण के लिए खुदाई स्थल पर तैरने गया था, और वहां पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए थे। निगम ने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं और एनएचएसआरसीएल तथा इसके ठेकेदार जांच में पूरा सहयोग करेंगे। निगम ने आगे कहा, हम निर्माण स्थलों के आसपास रहने वाले लोगों से आग्रह करते हैं कि वे बिना अनुमति के बैरिकेड वाले क्षेत्रों में प्रवेश न करें।

स्थानीय सांसद ने मृतक के परिजनों की मुलाकात

बुधवार को भिवंडी के सांसद और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता सुरेश म्हात्रे ने बच्चे के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया, यह हृदय विदारक घटना परियोजना में शामिल कंपनी की गैरजिम्मेदारी का सीधा परिणाम है। घटना के समय खुदाई स्थल पर कोई सुरक्षा बैरिकेड या चेतावनी संकेत नहीं थे, जिसके कारण बच्चे की मौत हो गई। त्रासदी के बाद ही जल्दबाजी में बैरिकेड लगाए गए, जिससे कंपनी की लापरवाही और नुकसान को नियंत्रित करने में लापरवाही दोनों उजागर हुई। सांसद ने कहा, जब तक न्याय नहीं हो जाता, हम चैन से नहीं बैठेंगे। कंपनियों को विकास के नाम पर मासूमों की जान से नहीं खेलना चाहिए।

अपराध जांच को मिलेगी नई रफ्तार

शुरू हुई 'आई-बाइक फॉरेंसिक टीम'

डीबीडी संवाददाता । मीरा रोड

मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में अब गंभीर अपराधों की जांच और अधिक वैज्ञानिक, तत्काल और सटीक तरीके से की जाएगी। पुलिस आयुक्त मधुकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में 9 अप्रैल से पूरे क्षेत्र में एक नई फॉरेंसिक जांच व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें 'आई-बाइक फॉरेंसिक टीम' को सक्रिय किया गया है।

हर थाने में पहुंचेगी आधुनिक फॉरेंसिक टीम

इस टीम को विशेष रूप से प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों से तैयार किया गया है, जो अत्याधुनिक फॉरेंसिक किट से लैस हैं। ये टीमें अब सात वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराधों की घटनास्थल पर जाकर साक्ष्य जुटाएंगी। यह कदम नए कानून के अंतर्गत जरूरी किया गया है, ताकि अपराध स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाकर जांच को अधिक मजबूत और न्यायोचित बनाया जा सके।

हर सर्कल में विशेषज्ञ अधिकारी नियुक्त

पुलिस आयुक्तालय के तीनों सर्कलों में प्रशिक्षित अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो आधुनिक फॉरेंसिक तकनीकों में दक्ष हैं। ये आई-बाइक टीमें 24x7 ड्यूटी पर रहेंगी, जिससे अपराध की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर तत्काल पहुंचकर कार्रवाई की जा सके।

अदालतों में मजबूत सबूत, अपराधियों को सख्त सजा

इस पहल से पुलिस को अदालत में पुख्ता साक्ष्य प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी, जिससे अपराधियों को जल्द सजा दिलाना संभव होगा। इससे न केवल न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी, बल्कि अपराधियों के बीच कानून का डर भी बढ़ेगा।

पुलिस-जनता के बीच विश्वास को मिलेगा बल

आई-बाइक योजना को कानून व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी और आम नागरिकों का भरोसा और भी मजबूत होगा।

युवक ने खुद के अपहरण की रची साजिश, गिरफ्तार

- प्रिंटिंग बिजनेस के लिए 3 लाख की फिरौती मांगी थी

डीबीडी संवाददाता । नालासोपारा

22 वर्षीय रोहन तिवारी का अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि उसने खुद ही अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर अपहरण की साजिश रची थी। परिवार को भेजे गए एक खौफनाक वीडियो में रोहन को खून से लथपथ पीटते हुए दिखाया गया था और फिरौती में 3 लाख रुपए मांगे गए थे। लेकिन 11 घंटे की पुलिस जांच के बाद जो सच्चाई सामने आई, वह चौंकाने वाली थी।

वीडियो देख कांप उठे परिजन, तुरंत पहुंची पुलिस के पास

नालासोपारा के आचोले पुलिस स्टेशन में जब रोहन के परिजन वीडियो लेकर पहुंचे तो पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। वीडियो में रोहन को अज्ञात स्थान पर पीटा जा रहा था और 3 लाख रुपए की मांग की जा रही थी। अपहरणकर्ताओं ने धमकी दी थी कि रकम नहीं मिली तो रोहन की हत्या कर दी जाएगी।

बैंक बंद होने का बहाना बनाकर पुलिस ने खेला 'टाइम गेम'

पुलिस ने फिरौती देने में समय लगाने की रणनीति अपनाई। अपहरणकर्ता को 5 हजार रुपए भेजकर बातों में उलझाया गया और कहा गया कि बाकी रकम बैंक खुलने के बाद दी जाएगी। इसी बीच पुलिस ने शहर में नाकाबंदी कर दी और जगह-जगह छापे मारे। सुबह करीब 11 बजे जब रोहन को अपहरणकर्ता नाश्ते पर लेकर आए, तो उसके चाचा जो पहले से नजर रखे हुए थे, उन्होंने पुलिस को खबर दी।

मुंबई में मिला मोबाइल का लोकेशन, शिवाजी नगर पुलिस की मदद से सर्च ऑपरेशन

पुलिस ने मोबाइल ट्रेस किया तो लोकेशन चेंबूर के म्हाडा कॉलोनी में मिली। घनी बस्ती होने के कारण पुलिस को शिवाजी नगर पुलिस की मदद लेनी पड़ी। अपहरणकर्ताओं ने मोबाइल बंद कर दिया था, लेकिन थोड़ी देर में फिर से संपर्क कर पैसे की मांग दोहराई।

तीनों के खिलाफ दर्ज हुआ गैर-अभियोजन मामला

इस मामले में आचोले पुलिस स्टेशन में रोहन तिवारी और उसके दो दोस्तों के खिलाफ गैर-अभियोजन मामला दर्ज किया गया है। इस पूरे मामले को सुलझाने में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुजीत कुमार पवार, सहायक पुलिस निरीक्षक यशपाल सूर्यवंशी, और उनकी टीम के सदस्य अमोल सांगले, अमोल बर्डे, विनायक कचरे समेत कई अधिकारी लगातार 11 घंटे तक जुटे रहे।

आदर्श रैली के लिए पुलिस तैयार

- शांति समिति के साथ हुई बैठक
- अंबेडकर जयंती को लेकर कोपरी पुलिस स्टेशन में बनी रणनीति

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को ठाणे पूर्व में हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य और अनुकरणीय रैली के रूप में मनाई जाएगी। उत्सव को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से कोपरी पुलिस स्टेशन में शांति मोहल्ला समिति के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। प्रतीकात्मक रैली आनंद नगर सिद्धार्थ नगर से शुरू होकर आनंद सिनेमा, मंगला हाई स्कूल, अष्टविनायक चौक होते हुए श्रमदान सोसायटी में समाप्त होगी।

बैठक में मौजूद रहे वरिष्ठ अधिकारी और समाजसेवी

बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त मंदार जावले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक निशिकांत विश्वकार, पुलिस निरीक्षक प्रदीप केरकर, संजय नलावडे, यातायात शाखा की निरीक्षक वैशाली रासकर, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक, और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं से रैली में अनुशासन बनाए रखने, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन करने और विवादित मुद्दों से दूर रहने की अपील की।

सोशल मीडिया पर विशेष नजर

बीते वर्षों में सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने की घटनाएं बढ़ने के मद्देनज़र पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के आदेशानुसार इस बार अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। नागरिकों से भड़काऊ या झूठी पोस्ट शेयर न करने का अनुरोध किया गया है।

शिवसेना ने कुणाल कामरा को फिर दी धमकी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

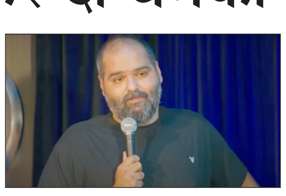

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी करने वाले कॉमेडियन कुणाल कामरा को शिवसेना ने फिर धमकी दी है। गुरुवार को शिवसेना नेता राहुल कनाल ने कहा कि मुंबई में पूछताछ करने के लिए कामरा के आने पर उनका शिवसेना शैली में स्वागत किया जाएगा। दरअसल, कनाल शिवसैनिकों के उस समूह का हिस्सा थे, जिसने 23 मार्च को खार स्थित स्टूडियो में तोड़फोड़ की थी, जहां कामरा ने प्रस्तुति दी थी। उन्होंने कहा, मुंबई पुलिस पूछताछ के लिए उनके लेकर आएगी। मुंबई में हमारी नीति अतिथि देवो भव की है और हम मुंबई में शिवसेना शैली में स्वागत करेंगे। कामरा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर मुंबई पुलिस और शिवसेना विधायक मुरजी पटेल को नोटिस जारी किया।

सफाई कर्मी महिला महीनों से गैरहाजिर

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा स्वच्छता को लेकर कई योजनाएं चला रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। शहर के कोंबड पाड़ा स्थित आरोग्य केबिन क्रमांक 1 में नियुक्त एक महिला सफाई कर्मी महीनों से गैरहाजिर है, और चौंकाने वाली बात यह है कि उसके पति मनपा में अधिकारी हैं, जिसकी वजह से संबंधित आरोग्य निरीक्षक चुप्पी साधे हुए हैं। मनपा के आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रभाग समिति क्रमांक 5 के अंतर्गत आने वाले इस वार्ड में 63 सफाई कर्मी नियुक्त हैं, जिनमें 45 पुरुष और 18 महिलाएं हैं। फिर भी नियमित रूप से कर्मचारी अनुपस्थित रहते हैं, जिससे स्वच्छता अभियान प्रभावित हो रहा है।

पति के मनपा में अधिकारी होने के कारण आरोग्य निरीक्षक खामोश

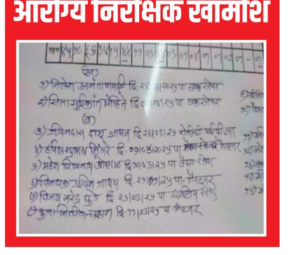

रजिस्टर में हाजिरी, ड्यूटी गायब

सूत्रों की मानें तो कई सफाई कर्मी सिर्फ रजिस्टर में हाजिरी लगाकर चले जाते हैं। कुछ को बड़े अधिकारियों का संरक्षण भी मिला है, जिससे उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। कर्मचारियों की अनुपस्थिति की जानकारी होने के बावजूद अधिकतर आरोग्य निरीक्षक जानबूझकर सहायक आयुक्त को रिपोर्ट नहीं भेजते, जिससे मामला दबा रह जाता है।

9 अप्रैल को 14 कर्मचारी गैरहाजिर

आरोग्य निरीक्षक उत्तम सिताराम जाधव ने जानकारी दी कि 9 अप्रैल को उनके केबिन के 14 कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। उनमें पूजा चव्हाण नामक महिला कर्मी पिछले एक महीने से अनुपस्थित है। पूजा के पति नितिन चव्हाण मनपा के शौचालय विभाग में अधिकारी हैं, जिसके कारण निरीक्षक भी बोलने से डर रहे हैं।

प्रशासनिक कार्रवाई की मांग

स्वच्छता के नाम पर चल रहे इस ढकोसले पर प्रशासक और नव नियुक्त आयुक्त अनमोल सागर को संज्ञान लेना चाहिए और सभी 23 सफाई केबिनों का निरीक्षण कर लापरवाह कर्मचारियों व निरीक्षकों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती से बलात्कार

- सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रिक्शा चालक आरोपी गिरफ्तार
- 14 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

महाराष्ट्र के डोंबिवली से एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां मानसिक रूप से अस्वस्थ 31 वर्षीय युवती के साथ रिक्शा चालक द्वारा बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। तिलकनगर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी फैजल खान को दिवा इलाके से गिरफ्तार कर लिया है।

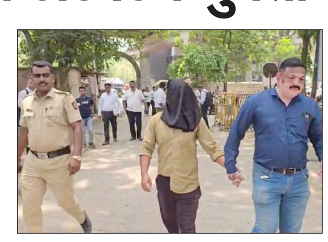

अदालत ने उसे 14 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। घटना 7 अप्रैल की है, जब पीड़िता कल्याण ग्रामीण के सोनारपाड़ा स्थित एक रिश्तेदार के घर जाने के लिए रिक्शा में सवार हुई। लेकिन आरोपी उसे वहां छोड़ने के बजाय मुम्ब्रा के एक सुनसान इलाके में ले गया और बलात्कार किया। कुछ घंटों बाद युवती ने अपने रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी।

मां ने दर्ज कराई शिकायत

घटना के दो दिन बाद, 9 अप्रैल को पीड़िता की मां ने तिलकनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। डीसीपी अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज से रिक्शा चालक की पहचान हुई। रिक्शा का नंबर मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को दिवा से गिरफ्तार कर लिया।

अदालत में पेशी और वकील का पक्ष

गुरुवार दोपहर फैजल खान को अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने चार दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की। इस दौरान आरोपी के वकील अनिरुद्ध कुलकर्णी ने कोर्ट को बताया कि एफआईआर घटना के दो दिन बाद दर्ज की गई, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है और आरोपी की इसमें कोई भूमिका नहीं है। हालांकि पुलिस ने मेडिकल जांच व साक्ष्य जुटाने के लिए हिरासत की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्ण प्रतिमा का अनावरण

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

अंबेडकर आंदोलन के ऐतिहासिक केंद्र सुभाष टेकड़ी चौक पर बुधवार को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्ण लंबाई वाली प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। बौद्ध समुदाय के धर्मगुरु भंते आनंद महाथेरो और विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की उपस्थिति में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुभाष हिल चौक रोशनी से जगमगा उठा और माहौल श्रद्धा से भर गया।

लंबे समय से थी पूर्ण प्रतिमा की मांग

पूर्व में चौक पर डॉ. आंबेडकर की अर्धप्रतिमा थी। प्रतिमा स्मारक समिति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा वर्षों से पूर्ण प्रतिमा लगाने की मांग की जा रही थी। उपमहापौर संदीप डोंगरे ने भी विधायक किणीकर से इस मुद्दे पर ध्यान देने का आग्रह किया था। विधायक किणीकर ने पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे से संपर्क कर प्रतिमा निर्माण हेतु 25 लाख रुपए का निधि दिलवाया। कुल एक करोड़ रुपए की परियोजना को स्वीकृति मिली। आयुक्त मनीषा अव्हाले के निर्देश पर नगर निगम के अधिकारियों ने प्रतिमा निर्माण प्रक्रिया की निगरानी की।

फुटपाथ से हटाए गए 86 अवैध ढांचे

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र में सड़कों और फुटपाथों पर फैलते अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई अभियान एक बार फिर तेज कर दिया गया है। यह अभियान प्रशासक तथा मनपा आयुक्त अनमोल सागर के निर्देश पर शुरू किया गया है। इससे पहले भी मनपा द्वारा ऐसे अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई की गई थी, लेकिन कुछ समय बाद फिर से पुरानी स्थिति लौट आई। अतिक्रमण के कारण यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जेसीबी के साथ उतरी टीम, 86 जगहों से अतिक्रमण हटाया

बुधवार सुबह 11 बजे, अतिरिक्त आयुक्त देवीदास पवार, उपायुक्त विक्रम दराडे, शहर विकास अधिकारी, प्रभाग समिति-5 के सहायक आयुक्त बलराम जाधव तथा बीट निरीक्षक हनुमान म्हात्रे की अगुवाई में मनपा की टीम भाजपा अस्पताल, तीन बत्ती, मंडई से लेकर मनपा मुख्यालय तक पहुंची और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को जेसीबी मशीनों की मदद से हटाया गया। इस अभियान के दौरान कुल 86 स्थानों से अतिक्रमण हटाकर संबंधित सामग्री को कोंडवाड़ा में जमा किया गया। अभियान के दौरान पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

धोखाधड़ी के आरोप में लोढ़ा बिल्डर के खिलाफ आंदोलन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ग्राहकों से लाखों की ठगी का आरोप

नामी बिल्डर लोढ़ा ग्रुप पर धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। इस मुद्दे को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने बिल्डर के प्रोजेक्ट स्थल पर जाकर आंदोलन और जोरदार नारेबाजी की। मनसे नेता अविनाश जाधव ने आरोप लगाया कि लोढ़ा ग्रुप मध्यमवर्गीय परिवारों से एडवांस बुकिंग के नाम पर लाखों रुपए लेता है। लेकिन जब किसी कारणवश ग्राहक का लोन मंजूर नहीं होता, तब बुकिंग रद्द कर दी जाती है और राशि में भारी कटौती कर वापस करने की बात की जाती है। अविनाश जाधव ने स्पष्ट रूप से कहा, 'अगर ग्राहकों की पूरी राशि तत्काल चेक द्वारा नहीं लौटाई गई, तो मनसे अपने अंदाज़ में वसूली करेगी।' उन्होंने चेतावनी दी कि पहले पीड़ितों को उनका पैसा लौटाया जाए, उसके बाद ही आंदोलन खत्म होगा।

दांत से काटने पर नहीं लगेगा आईपीसी 324

▶▶ बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द की एफआईआर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि मानव दांत खतरनाक हथियार की श्रेणी में नहीं आते, इसलिए किसी को दांत से काटने पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 324 लागू नहीं की जा सकती। अदालत ने इस आधार पर एक महिला के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है।

क्या है मामला?

अप्रैल 2020 में एक महिला ने अपनी भाभी पर लड़ाई के दौरान दांत से काटने का आरोप लगाया था और पुलिस में आईपीसी की धारा 324 के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी। मामला औरंगाबाद हाईकोर्ट की जस्टिस विभा कांकनवाड़ी और जस्टिस संजय देशमुख की बेंच के सामने पहुंचा। शिकायतकर्ता ने कोर्ट में मेडिकल सर्टिफिकेट भी पेश किया, जिसमें चोट को सिर्फ सतही दांत के निशान बताया गया था। कोई गंभीर या जानलेवा चोट नहीं थी।

कोर्ट ने क्या कहा?

IPC की धारा 324 तब लगती है जब किसी खतरनाक हथियार या साधन से जानलेवा हमला किया जाए। मानव दांत स्वाभाविक शरीर का हिस्सा हैं, न कि खतरनाक हथियार। सिर्फ मामूली निशान होने पर गंभीर धाराएं लगाना कानून का दुरुपयोग माना जाएगा। कोर्ट ने यह मानते हुए कि मामला धारा 324 के तहत नहीं आता, एफआईआर को निरस्त करने का आदेश दे दिया।

संतोष देशमुख हत्याकांड

मुख्य आरोपी कराड ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

▶▶ सभी आरोपों से बरी करने की मांग की

▶▶ सीआईडी 24 अप्रैल को देगी जवाब

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के चर्चित बीड सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में नया मोड़ आया है। मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड ने खुद को सभी आरोपों से बरी करने के लिए बीड अदालत में आवेदन दायर किया है। उसका दावा है कि उसके खिलाफ कोई प्राथमिक सबूत नहीं है। अदालत ने इस आवेदन पर राज्य सीआईडी से 24 अप्रैल तक जवाब मांगा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, अगर अदालत को प्रथम दृष्टया कराड के खिलाफ कोई अपराध बनता नहीं दिखता है, तो वह उसे मुकदमे से राहत दे सकती है।

क्या है मामला?

9 दिसंबर 2023 को बीड के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की अगवा कर हत्या कर दी गई थी। देशमुख ने कथित तौर पर एक ऊर्जा कंपनी से जुड़ी जबरन वसूली को रोकने की कोशिश की थी, जिससे नाराज होकर उनकी हत्या की गई।

अब तक की जांच

इस केस में वाल्मिक कराड सहित 8 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामला दर्ज है। पिछले महीने सीआईडी ने अदालत में 1200 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था। विशेष सरकारी वकील उज्जवल निकम के अनुसार, आरोपी कराड ने कुछ दस्तावेजों की मांग की थी, जो अदालत में पेश कर दिए गए हैं। देशमुख की पिटाई का एक वीडियो भी अदालत में जमा किया गया है, जो कथित तौर पर आरोपी ने ही शूट किया था। सरकारी वकील निकम ने कोर्ट से वीडियो को सार्वजनिक न करने की गुजारिश की है, ताकि कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित न हो।

संपत्तियों की जब्ती की मांग

अभियोजन ने आरोपी कराड की चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने के लिए भी अदालत में आवेदन दिया है। सीआईडी अन्य आरोपियों की संपत्तियों की भी जांच कर रही है।

'बैंकों में मराठी अनिवार्य करें, नहीं तो होगा आंदोलन तेज'

▶▶ राज ठाकरे की बैंकों को चेतावनी

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA) को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि बैंकों में मराठी भाषा का इस्तेमाल अनिवार्य किया जाए, वरना पार्टी आंदोलन तेज करेगी। यह चिट्ठी 9 अप्रैल को MNS नेताओं ने IBA अधिकारियों को सौंपी। राज ठाकरे ने पत्र में लिखा है कि अगर बैंक तीन भाषा फार्मूले – अंग्रेज़ी, हिंदी और मराठी – का पालन नहीं करते, तो इसके परिणाम के लिए बैंक खुद जिम्मेदार होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से स्थानीय भाषाओं को लेकर पहले ही सर्कुलर जारी हो चुका है।

आंदोलन पर विराम, लेकिन चेतावनी बरकरार

राज ठाकरे ने 5 अप्रैल को कार्यकर्ताओं को आंदोलन रोकने की चिट्ठी जरूर लिखी थी, लेकिन चेतावनी दी थी कि मराठी के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा। इससे पहले 30 मार्च को गुड़ी पड़वा रैली में उन्होंने कहा था कि "जो जानबूझकर मराठी नहीं बोलते, उन्हें थप्पड़ मारा जाएगा।"

बैंक यूनियनों की शिकायत, कर्मचारियों को धमकी

MNS की इस मुहिम के बीच बैंक यूनियनों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चिट्ठी लिखकर सुरक्षा की मांग की है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स ने लिखा है कि कई MNS कार्यकर्ता बैंकों में जाकर डिस्प्ले बोर्ड मराठी में लगाने और कर्मचारियों से मराठी बोलने का दबाव बना रहे हैं। कुछ जगहों पर कर्मचारियों को धमकाने की घटनाएं भी हुई हैं। यूनियन ने बताया कि अधिकतर बैंक पहले से ही तीनों भाषाओं में सूचना बोर्ड लगाते हैं और अधिकांश कर्मचारी मराठी भाषी हैं, लेकिन कुछ अधिकारी मराठी नहीं जानते, जिनसे सभी 22 भाषाओं में दक्षता की उम्मीद करना अन्यायपूर्ण है।

सीएम का जवाब – मराठी ज़रूरी, लेकिन कानून हाथ में लेना मंज़ूर नहीं

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मराठी भाषा का सम्मान और प्रचार ज़रूरी है, लेकिन कानून अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की।

प्रताप सरनाईक बने एमएसआरटीसी के नए चेयरमैन

▶▶ आईएएस अधिकारी संजय सेठी को हटाकर महाराष्ट्र सरकार ने की नियुक्ति

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। सरकार ने यह फैसला एमएसआरटीसी अधिनियम-1950 के तहत किया है। सरनाईक इस पद पर नियुक्त होने वाले 26वें चेयरमैन हैं। यह नियुक्ति ऐसे समय पर हुई है जब एमएसआरटीसी घाटे, कर्मचारियों की हड़ताल, पुराने बस बेड़े और यात्रियों की घटती संख्या जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है।

बोर्ड में बने रहेंगे संजय सेठी

दो महीने पहले सरकार ने परंपरा से हटकर आईएएस अधिकारी संजय सेठी को एमएसआरटीसी का चेयरमैन नियुक्त किया था, जबकि अब तक यह पद किसी जनप्रतिनिधि को ही दिया जाता रहा है। सेठी को पद से हटाया गया है, लेकिन वे निगम के निदेशक मंडल में पदेन सदस्य के रूप में बने रहेंगे।

'एमएसआरटीसी को बनाऊंगा आर्थिक रूप से सशक्त'

अपनी नियुक्ति पर सरनाईक ने कहा, ''एमएसआरटीसी जो महाराष्ट्र की आम जनता की लोकवाहिनी है, उसे आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर बेहतर गुणवत्ता वाली परिवहन सेवा बनाना मेरा लक्ष्य है।''

भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक परिवहन उपक्रमों में से एक एमएसआरटीसी पिछले कुछ वर्षों से घाटे में चल रहा है। हाल ही में दैनिक वित्तीय घाटा कम करने के लिए किराये में 14.95% की बढ़ोतरी की गई थी।

बीमार पत्नी को मार खुदकुशी पर उतरा बुजुर्ग

सुसाइड नोट में लिखा- अंतिम संस्कार पर किसी के पैसे खर्च न हों

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/नासिक

महाराष्ट्र के नासिक से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 80 वर्षीय बुजुर्ग, जो कि स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य थे, ने अपनी बीमार पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर खुद फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें बुजुर्ग ने अपनी पत्नी के प्रति गहरे प्रेम का इज़हार किया है और दोनों के अंतिम संस्कार के लिए किसी को पैसे खर्च न करने की अपील की है।

सुसाइड नोट में लिखा- बीमारी से छुटकारा दिला रहा हूं

सुसाइड नोट में रामचंद्र ने लिखा है कि उनकी पत्नी लता लंबे समय से पीड़ा में थीं और अब वह उन्हें बीमारी से मुक्ति दिला रहे हैं। नोट में यह भी उल्लेख है कि अंतिम संस्कार के लिए 50 हजार रुपये रखे गए हैं, ताकि किसी को पैसे खर्च न करने पड़ें। उन्होंने केयरटेकर को भी 50 हजार रुपये देने की बात लिखी है।

चार साल से बिस्तर पर थी पत्नी

पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम मुरलीधर रामचंद्र है, जो अपनी चार साल से बीमार पत्नी लता की देखभाल कर रहे थे। उनकी देखभाल के लिए सीमा राठौड़ नामक एक महिला केयरटेकर को रखा गया था। बुधवार शाम जब सीमा घर पहुंची तो उसने दोनों को मृत पाया और पुलिस को सूचना दी।

पत्नी के अंतिम संस्कार की इच्छा भी जताई

रामचंद्र ने यह भी लिखा कि उनकी पत्नी को नई साड़ी, मंगलसूत्र और आभूषण पहनाकर अंतिम संस्कार किया जाए। पुलिस ने बताया कि दंपति के दो बेटे हैं जो मुंबई में रहते हैं।

बिल्डर सदरूद्दीन खान पर जानलेवा हमला

▶▶ बाइक सवारों ने कार पर बरसाईं गोलियां

मुंबई। चेंबूर का डायमंड गार्डन सिग्नल बुधवार देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा, जब अज्ञात बाइक सवारों ने एक चलती कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। कार में बैठे व्यक्ति की पहचान बिल्डर और सामाजिक कार्यकर्ता सदरूद्दीन खान (50) के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल खान को तुरंत जैन अस्पताल ले जाया गया, जहां अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

सीधे चेहरे पर चली गोली, भाग निकले हमलावर

डीसीपी नवनाथ ढवले के मुताबिक, सदरूद्दीन खान उर्फ सदरू सायन-पनवेल हाईवे से पनवेल की ओर जा रहे थे। उसी दौरान डायमंड गार्डन सिग्नल पर बाइक सवार दो हमलावरों ने अचानक उनकी कार को घेर लिया और फायरिंग कर दी। एक गोली सीधे उनके चेहरे पर लगी। हमलावर घटना के बाद फरार हो गए।

पुलिस की तत्परता, जांच तेज

पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से दो गोली के खोखे बरामद किए हैं। घटनास्थल की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है और हमलावरों की तलाश में कई टीमें लगाई गई हैं। पुलिस ने बताया कि हमले के पीछे की वजह फिलहाल साफ नहीं है, लेकिन निजी रंजिश या व्यावसायिक विवाद की आशंका से इनकार नहीं किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही जॉइंट कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर सत्यनारायण चौधरी, डीसीपी नवनाथ ढवले, और एडिशनल कमिश्नर महेश पाटिल मौके पर पहुंचे।

मध्य रेल
सोलापूर मंडल
ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापूर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदाये आमंत्रित करते है।

निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रु.	बयाना रक्कम	समापन की अवधी	रखरखाव अवधि
08-2025-SrDENC	Phased Array Ultrasonic Testing (PAUT) of FB welded joints Executed by mobile FB plants at site using RDSO verified PAUT weld tester under ADEN/PVR & ADEN/LUR sub division for the period of one year.	Rs. 4,48,05,992.40	Rs. 3,74,000.00	12 Months	NIL

www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय	08.05.2025 को 15:00 बजे तक
www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय	08.05.2025 को 15:30 बजे

निविदाकारोंसे निवेदन है की कोई बदलाव/शुध्दिपत्र (यदि हो) के लिये वेबसाइट www.ireps.gov.in पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य),
मध्य रेल, सोलापूर

SUN 67 अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल
सोलापूर मंडल
ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापूर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदाये आमंत्रित करते है।

निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रु.	बयाना रक्कम	समापन की अवधी	रखरखाव अवधि
07-2025-SrDENC	Rendering of services for working with USFD open line team under SSE/P.Way/USFD/SUR for a period of Two Years	Rs. 4,16,83,931.50	Rs. 3,58,400.00	24 Months	NIL

www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय	05.05.2025 को 15:00 बजे तक
www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय	05.05.2025 को 15:30 बजे

निविदाकारोंसे निवेदन है की कोई बदलाव/शुध्दिपत्र (यदि हो) के लिये वेबसाइट www.ireps.gov.in पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य),
मध्य रेल, सोलापूर

SUN 66 अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

राज्य में न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए नई संशोधित योजना लागू

▶▶ हाईकोर्ट से तहसील स्तर तक इमारतें और आवास बनेंगे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

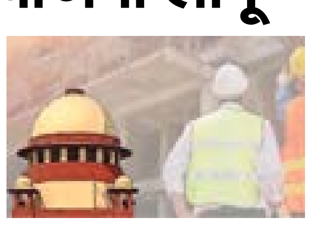

राज्य सरकार ने विधि व न्याय विभाग के तहत न्यायालयों की आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने और नई कार्यालयीन इमारतों के निर्माण हेतु संशोधित योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में राज्य शासन की ओर से शासनादेश जारी कर दिया गया है। नई योजना के अंतर्गत राज्य में हाईकोर्ट, खंडपीठ, जिला और तहसील न्यायालयों के लिए नई इमारतों का निर्माण किया जाएगा। साथ ही न्यायमूर्ति, न्यायाधीशों और कर्मचारियों के लिए आवासीय भवन भी बनाए जाएंगे।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष में होगी निधि की व्यवस्था

इस योजना के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में मिलने वाली निधि और योजना विभाग से प्राप्त धनराशि के माध्यम से निर्माण कार्य किया जाएगा। न्यायालयीन भवनों और आवासों के लिए भूमि सरकार से मांगी जाएगी। इन सभी इमारतों का निर्माण, रखरखाव और मरम्मत कार्य सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से किया जाएगा, जिससे निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित हो सके। सरकार ने बताया कि पहले इस दिशा में केंद्र सरकार की योजना के तहत 60:40 के अनुपात में निधि दी जाती थी, लेकिन निधि वितरण में संतुलन की कमी और हाईकोर्ट के लिए कोई विशेष योजना न होने के कारण राज्य ने यह स्वतंत्र योजना लागू करने का निर्णय लिया है।

सार्वजनिक सूचना
माहिम साउथ एमसीजीएम फुट ओवर ब्रिज, हार्बर लाइन को बंद करना

माहिम साउथ एमसीजीएम फुट ओवर ब्रिज हार्बर लाइन की जीर्ण-शीर्ण स्थिति के कारण, इसे पुनर्निर्माण के लिए ध्वस्त करने की आवश्यकता है। इसलिए उक्त फुट ओवर ब्रिज दिनांक **15.04.2025 से दिनांक 04.05.2025 तक बंद** रहेगा।
यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए अत्यंत खेद है।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
0024
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे चलाएगी वटवा हुबली के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (वसई रोड के रास्ते)

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथि	प्रस्थान	आगमन
07334	वटवा-हुबली	14.04.2005 से 16.06.2 25 तक	21:45 बजे (सोमवार)	19:45 बजे (अगले दिन)
07333	हुबली-वटवा	13.04.2025 से 15.06.2025 तक	19:30 बजे (रविवार)	18:45 बजे (अगले दिन)

हॉल्टः आनंद, वडोदरा, सूरत, वापी, बोईसर, वसई रोड, कल्याण, लोनावाला, पुणे, सांगली, मिराज, कुदाची, रायबाग, घाटप्रभा, गोकक रोड, बेलगावी, लोंडा जंक्शन, अलनावर जंक्शन और धारवाड़ स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचनाः प्रथम एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन संख्या 07334 के लिए बुकिंग 11.04.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष ट्रेन के रूप में विशेष किराए पर चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान प्रमाण साथ रखें

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
महाटेंडर पोर्टल लिंक

विभाग	मुख्य अभियंता (सीवरेज संचालन)
उपविभाग	कार्यकारी अभियंता (एस.ओ.)डब्लू.एस. मलाड पीपीजी. स्टेशन
निविदा संदर्भ संख्या	2025_MCGM_1169027_1
विषय	मलाड पम्पिंग स्टेशन पर स्क्रीन चैंबर के पेनस्टॉक गेट की मरम्मत और ओवरहालिंग का कार्य।
निविदा की बिक्री	09.04.2025 से समय 11.00 बजे 17.04.2025 तक समय 04.00 बजे
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in इसके बाद कोई भी शुद्धिपत्र या परिशिष्ट केवल बीएमसी पोर्टल / महाटेंडर पोर्टल लिंक साइट पर प्रकाशित किया जाएगा
संपर्क अधिकारी	
ए) नाम	श्री. जितेन्द्र पाबरेकर श्री भारत बाम्बले
बी) टेलीफोन नंबर	26368681
सी) मोबाइल नंबर	9869253669 9987177069
डी) ई-मेल पता	eemechsmalad.so@mcgm.gov.in

हस्ता./-
ई.ई.(एस.ओ) डब्ल्यू.एस. मलाड पीपीजी. स्टेशन

पीआरओ/91/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

सस्ते लोन की आस

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है। ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है। हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधि जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलतः निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी। साथ ही लोग रियल एस्टेट में अधिक निवेश कर सकेंगे। निश्चित रूप से इस कदम से रियल एस्टेट सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। वहीं उद्योग जगत ने भी केंद्रीय बैंक के फैसले का स्वागत किया है। उद्योग जगत लंबे समय से ब्याज दरों में कटौती की मांग करता रहा है, जबकि केंद्रीय बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की बनी रही थी। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को बढ़ाने का मन बना लिया है। यह तार्किक ही कि आर्थिक प्रतिकूलताओं के बीच मंदी के प्रभाव को टालने के लिये अर्थव्यवस्था में मुद्रा का प्रवाह बढ़ाने का सहारा लिया जाए। केंद्रीय बैंक को अहसास है कि टैरिफ टकराव से घरेलू विकास दर प्रभावित हो सकती है। साथ ही निर्यात पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में सकारात्मक स्थिति यह है कि दुनिया में कच्चे तेल के दामों में गिरावट आई है, जिससे सरकार को महंगाई को काबू में रखने में मदद मिल सकती है।

महात्मा फुले : जिन्होंने नारी को दिलाया शिक्षा का अधिकार

भारती रा. राऊत
सहा. शिक्षिका
(महात्मा फुले अभ्यासक)

विद्या बिना मति गई, मति बिना नीति गई ।
नीति बिना गति गई, गति बिना वित्त गया ।।
वित्त बिना शूद्र गए।
इतने अनर्थ एक अविद्या ने किए ।।

इस पंक्ति के रचनाकार आधुनिक भारत के शूद्र अतिशूद्रों,महिलाओं और किसानों के पहले समाजसुधारक हैं,जिन्हें समाज महात्मा ज्योतिराव फुले के नाम से जानता है। ११ अप्रैल १८२७ में महात्मा फुलेजी का जन्म हुआ था। उनका पूरा नाम ज्योतिराव गोविंदराव फुले है उनका परिवार माली का काम किया करता था। म.ज्योतिराव फुले भारतीय समाज सुधारक, समाज प्रबोधक, लेखक,दार्शनिक, विचारक, समाजसेवी तथा क्रांतिकारी कार्यकर्ता थे। उन्होंने समाज की कुरीतियों को कम करने के लिए बड़े स्तर पर बड़े-बड़े आंदोलन किए थे। म.ज्योतिराव फुले ऐसे दूरदर्शी विचारक थे जिन्होंने प्राथमिक शिक्षा निःशुल्क, अनिवार्य तथा सार्वभौमिक होनी चाहिए, यह मांग १५० साल पहले सर्वप्रथम की थी। उन्होंने सन १८८२ में ब्रिटिश सरकार द्वारा नियुक्त अखिल भारतीय स्तर के हंटर शिक्षा आयोग के समक्ष लिखित रूप में इसकी मांग की। कक्षा पहली से बच्चों को कृषि और उद्योगों की शिक्षा देनी चाहिए ऐसी मांग करने वाले वे प्रथम भारतीय थे। महात्मा फुले जी के अभूतपूर्व योगदान की शुरुआत शिक्षा पर उनके ध्यान से हुई। सशक्तिकरण के साधन के रूप में ज्ञान की शक्ति को पहचानते हुए, उन्होंने सन १८४८ में भारत में लड़कियों के लिए पहला स्कूल स्थापित किया, जिससे महिलाओं की शिक्षा तक पहुँच को प्रतिबंधित करने वाले मानदंडों को तोड़ा गया। अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के समर्थन से, जो भारत की पहली महिला शिक्षिका बनीं, उन्होंने देश में महिला शिक्षा की नींव रखी। अपने पति म.ज्योतिराव फुले जी के साथ मिलकर, उन्होंने व्यवस्था से बाहर रखे गए लोगों को सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए सामाजिक प्रतिक्रिया का मुकाबला किया। महाराष्ट्र में माली जाति के एक परिवार में जन्मे महात्मा फुले जी ने हाशिए पर पड़े समुदायों द्वारा झेले जाने वाले प्रणालीगत उत्पीड़न और भेदभाव का अनुभव किया। उनका जीवन विशेषकर महिलाओं, दलितों और आर्थिक रूप से वंचितों की मुक्ति के लिए समर्पित था । महात्मा फुले जी ने किसानों और श्रमिकों के हितों व उनके समृद्ध जीवन के लिए भी अनेक प्रयास किए और उन्हें शिक्षित और संगठित किया। उन्होंने देश के युवाओं को पुकारा था कि वे देश,समाज,संस्कृति को सामाजिक बुराइयों तथा अशिक्षा से मुक्ति करें और स्वस्थ व सुदृढ़ समाज के निर्माण के लिए आगे आएं। महात्मा फुले जी हमेशा समाज सुधार के लिए लगे रहे, वे सामाजिक समस्याओं के लिए हमेशा प्रयास करते रहे। उस समय गुलामी एक महत्वपूर्ण समस्या थी, जिसको दूर करने के लिए समाज प्रबोधन, जनजागृति होने की आवश्यकता थी, जिसके लिए उन्होंने 'गुलामगिरी' इस महत्वपूर्ण पुस्तक को लिखा। यह पुस्तक भारतीय समाज में जातिवाद और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती है, और शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों और स्वतंत्रता की मांग करती है। 'गुलामगिरी' में महात्मा फुले जी ने तत्कालीन स्थिति पर कड़ा प्रहार किया है, और कहा है कि कुप्रथाओं के कारण देश के शूद्र अतिशूद्र आज भी बौद्धिक, सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक दृष्टि से गुलाम हैं। जिन्हें सामाजिक न्याय से दूर रखा गया, उनके हित की चिंता इस पुस्तक में दिखाई देती है। राजनीतिक गुलामी इस देश में आई और चली गई किंतु इस देश में धर्म के नाम से सदियों से वास करने वाली समाज की मानसिक गुलामी नष्ट होनी चाहिए। मनुष्य को मनुष्य के रूप में रहने का हक है, उसे उचित अधिकार होने चाहिए। धर्म के नाम पर कोई भी श्रेष्ठ नहीं है, शास्त्रों के आधार पर कोई भी उच्च या निम्न नहीं है, सभी मनुष्य समान हैं। जिस दिन मनुष्य गुलाम होता है, उस दिन उसका आधा सद्गुण चला जाता है-इस होमर के सुप्रसिद्ध वाक्य से इस ग्रंथ की प्रस्तावना की शुरुआत हुई है। यह पुस्तक उन्होंने अमेरिका के निग्रो लोगों को अर्पण की, इससे महात्मा ज्योतिराव फुले जी के अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से हम परिचित होते हैं। तत्कालीन समाज में किसान समाज की दुर्दशा, शूद्र अतिशूद्र को उनकी गुलामी और भाग्य के प्रति जागरूक करना आवश्यक था,इस उद्देश्य से म. फुले जी ने समाज की इन समस्याओं के प्रति जागरूकता लाने के लिए, 'शेतकऱ्यांचा असूड' (किसान का चाबुक) जो शूद्र किसानों के शोषण और दुर्दशा पर केंद्रित है, जो ब्रिटिश और ब्राह्मण नौकरशाही के गठजोड़ के कारण होती है। म.ज्योतिराव फुले जी को जाति-विरोधी आंदोलन, किसानों का आंदोलन, महिला आंदोलन और बहुजन उन्मुख पर्यावरण आंदोलन का संस्थापक माना जाता है। इस पुस्तक में धर्मव्यवस्था और राज्यव्यवस्था के दोहरे जाल में फंसे किसान समाज की दुर्दशा, तत्कालीन व्यवस्था पर कटाक्ष और किसान के उत्थान के मार्ग-ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावी विचार इस पुस्तक में हैं। भारतीय परंपरा

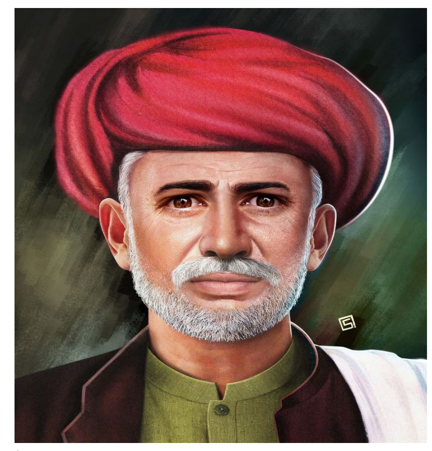

में कृषि इस महत्वपूर्ण विषय पर इतना विचार तत्कालीन समाज में किसी ने नहीं किया था। म. फुले समकालीन सुधारकों ने भी कभी कृषि पर इतना विचार नहीं किया था। म. फुले जी ने कहा कि किसान, मेहनत करने वाला हर व्यक्ति प्रतिष्ठित होना चाहिए-इस विषय के समर्थन में अपने विचार रखे। समाज के प्रति उनका सूक्ष्म अवलोकन था। ग्रामीण लोग, उनके प्रश्न, उनकी समस्याओं के प्रति वे हमेशा सजग रहे। महात्मा फुले हमेशा समाज तथा लोगों के प्रति आवश्यक जागृति पर ध्यान देते रहे, समाज में स्थित गलत धारणाओं को दूर कर सुधारित समाज का निर्माण आवश्यक था। तत्कालीन समाज को, भारत देश को, हिंदुओं को एक तर्कसंगत और वैज्ञानिक धार्मिक प्रणाली क्या हो सकती है, इस बारे में जागरूक करने की आवश्यकता थी, इस उद्देश्य को सामने रखकर उनकी सार्वजनिक सत्यधर्म पुस्तक एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। यह महात्मा फुले द्वारा लिखी गई आखिरी किताब है। यह पुस्तक उनके धार्मिक विचारों का सार मानी जाती है, यह अनेक धर्मशास्त्रों का सारांश कथन है। महात्मा फुले जी ने रायगड किले पर छत्रपति शिवाजी महाराज के समाधि स्थल की खोज की, और इसके बाद तत्कालीन समाज के प्रेरणास्थान को अपने शब्दों में प्रकट किया। यह रचना शिवाजींचा पवाडा इस नाम से प्रसिद्ध है । यह रचना मुख्यतः छत्रपति महाराज के युद्ध कौशल का यशोगान तथा स्तुति है । महात्मा फुले जी की यह कृति सन १८६९ में प्रसिद्ध हुई, लोगों को प्रेरणा मिले, लाभ मिले इस उद्देश्य से उन्होंने इस कृति की रचना की। उनके लेखन साहित्य का उद्देश्य बस समाज को जागृत करना था, जिससे उनके महत्वपूर्ण विचारों का परिचय हमें मिलता है। इस लेखन के साथ उन्होंने ब्राह्मणाचे कसब, अछूत पुस्तक तथा कई लेख,निबंध और कविताएं भी लिखीं,उनके प्रत्येक लेखन का उद्देश्य समाज जागृति था। महात्मा फुले जी एक महान समाजसुधारक, दार्शनिक और लेखक थे, जिन्होंने 19वीं सदी में सामाजिक भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी, महिलाओं और दलितों के उत्थान के लिए काम किया और सत्यशोधक समाज की स्थापना की,जिसका उद्देश्य जातिव्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करना और सभी के लिए शिक्षा और समानता सुनिश्चित करना था। उनके हर कृति का उद्देश्य हमेशा समाज सुधार,जनजागृति रहा,जिससे उनके प्रभावी व्यक्तित्व की पहचान हमें मिलती है महात्मा ज्योतिराव फुले जी के सभी कार्यों में उनकी पत्नी ने उनका हमेशा साथ निभाया। भारत की पहली महिला शिक्षिका क्रांतिज्योती सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों एवं उन्हें शिक्षित करने के लिए क्रांतिकारी प्रयास किए। सावित्रीबाई फुले एक महान समाजसुधारक और कवयित्री थीं, जिन्होंने महिलाओं और दलितों के अधिकारों के लिए कड़ा संघर्ष किया। क्रांतिज्योती सावित्रीबाई फुले केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि सामाजिक सुधारों में भी सक्रिय रहीं। उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा, जातिवाद और छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने आत्महत्या करने जा रही विधवा काशीबाई को अपने घर में आश्रय दिया और उनके बच्चे यशवंत को दत्तक पुत्र के रूप में स्वीकार कर उनका पालन-पोषण किया। पुत्र यशवंत को डॉक्टर बनाया,यशवंत ने भी सामाजिक सुधारों में योगदान दिया और अपने माता-पिता की विरासत को आगे बढ़ाया। प्लेग से पीड़ित लोगों की सेवा करते हुए माता सावित्रीबाई का सन १८९७ में निधन हुआ। महात्मा फुले जी के समतामूलक और समावेशी समाज के दृष्टिकोण ने भारत में कई सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव रखी। उनके कार्यों ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सहित कई सुधारकों को प्रेरित किया और आधुनिक भारत की सामाजिक न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महात्मा फुले जी को अपना गुरु मानते थे। महात्मा फुले जी ने शिक्षा को एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में महत्व दिया तथा जाति आधारित भेदभाव को समाप्त करने के लिए उनके अथक प्रयास समकालीन भारत में गूंजते रहें। उनका जीवन और विरासत हमें करुणा, लचीलेपन और न्याय की अटूट खोज की शक्ति की याद दिलाती हैं। दि. २८ नवंबर १८९० को उनका निधन हुआ,लेकिन अपने कार्य और विचारों से वे हमेशा हमारे साथ रहेंगे, इस शब्दांकन द्वारा उनके महान कार्य का थोड़ा परिचय देने का प्रयास है, यह प्रयास उनके महान कार्य के सामने बहुत ही छोटा है। ऐसे महान व्यक्तित्व के सामने हम सभी नतमस्तक हैं।

शख्सियत — कस्तूरबा गांधी

स्वतंत्रता सेनानी और सामाजिक कार्यकर्ता

कस्तूरबा गांधी का जन्म 11 अप्रैल 1869 को पोरबंदर, गुजरात में हुआ था। वे महात्मा गांधी की पत्नी होने के साथ-साथ एक समर्पित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और सामाजिक कार्यकर्ता थीं। कस्तूरबा ने महिलाओं को शिक्षित करने, अस्पृश्यता मिटाने और सामाजिक सुधारों के लिए अथक प्रयास किए।

दक्षिण अफ्रीका में 1913 में एक ऐसा कानून पास हुआ जिससे ईसाई मत के अनुसार किए गए और विवाह विभाग के अधिकारी के यहाँ दर्ज किए गए विवाह के अतिरिक्त अन्य विवाहों की मान्यता अग्राह्य की गई थी। बापू ने इस कानून को रद कराने का बहुत प्रयास किया पर जब वे सफल न हुए तब उन्होंने सत्याग्रह करने का निश्चय किया और उसमें सम्मिलित होने के लिये स्त्रियों का भी आह्वान किया। पर इस बात की चर्चा उन्होंने अन्य स्त्रियों से तो की किंतु बा से नहीं की। वे नहीं चाहते थे कि बा उनके कहने से सत्याग्रहियों में जाएं और फिर बाद में कठिनाइयों में पड़कर विषम परिस्थिति उपस्थित करें। वे चाहते थे कि वे स्वेच्छानुसार जाएं और जाएं तो दृढ़ रहें। जब बा ने देखा कि बापू ने उनसे सत्याग्रह में भाग लेने की कोई चर्चा नहीं की तो बड़ी दुःखी हुई और बापू को उपालंभ दिया। जेल में जो भोजन मिला वह अखाद्य था अतः उन्होंने फलाहार करने का निश्चय किया। किंतु जब उनके इस अनुरोध पर कोई ध्यान नहीं दिया गया तो उन्होंने उपवास करना आरंभ कर दिया। निदान पाँचवें दिन अधिकारियों को झुकना पड़ा। किंतु जो फल दिए गए वह पूरे भोजन के लिये पर्याप्त न थे। अतः बा को तीन महीने जेल में आधे पेट भोजन पर रहना पड़ा। उनके इस काम में निलहे गोरों को राजनीति की बू आई। उन्होंने बा की अनुपस्थिति में उनकी झोपड़ी जलवा दी। 1922 में जब बापू गिरफ्तार किए गए और उन्हें छह साल की सजा हुई उस समय उन्होंने जो वक्तव्य दिया वह उन्हें वीरांगना के रूप में प्रतिष्ठित करता है। बापू का संदेश सुनाने नौजवानों की तरह गुजरात के गाँवों में घूमती फिरीं।15 अगस्त को जब एकाएक महादेव देसाई ने महाप्रयाण किया तो वे बार बार यही कहती रहीं महादेव क्यों गया; मैं क्यों नहीं? बाद में महादेव देसाई का चितास्थान उनके लिए शंकर-महादेव का मंदिर सा बन गया। वे नित्य वहाँ जाती, समाधि की प्रदक्षिणा कर उसे नमस्कार करतीं। वे उसपर दीप भी जलवातीं। गिरफ्तारी की रात को उनका जो स्वास्थ्य बिगड़ा वह फिर संतोषजनक रूप से सुधरा नहीं और अंततोगत्वा उन्होंने 22 फ़रवरी 1944 को अपना ऐहिक समाप्त किया।

जीवन ऊर्जा

मार्क स्ट्रैंड : जन्म: 11 अप्रैल 1934 — जन्म

भविष्य हमेशा अभी से शुरू होता है

मार्क स्ट्रैंड का जन्म 11 अप्रैल 1934 को कनाडा के प्रिंस एडवर्ड आइलैंड में हुआ था। वे एक प्रसिद्ध कवि, निबंधकार, अनुवादक, और संपादक थे, जिनका साहित्यिक कार्य अमेरिका और विश्व साहित्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उनका पालन-पोषण अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के विभिन्न देशों में हुआ, जिससे उनके लेखन में बहुसांस्कृतिक अनुभवों की झलक मिलती है।

हम भविष्य को एक दूर की चीज़ मानकर उसकी चिंता में उलझे रहते हैं और यह सोचते हैं कि एक दिन हम अपने सपनों को पूरा करेंगे। लेकिन यह पंक्ति हमें याद दिलाती है कि हमारा भविष्य किसी आने वाले दिन से नहीं, बल्कि इसी क्षण से आकार लेता है। जो भी हम करना चाहते हैं, बनना चाहते हैं या हासिल करना चाहते हैं उसकी नींव आज, अभी और इस पल में रखी जाती है। यह विचार न केवल प्रेरणादायक है बल्कि व्यावहारिक भी है, क्योंकि यह हमें टालमटोल से बाहर निकलकर कार्य करने की प्रेरणा देता है। जीवन में बदलाव लाने का, कुछ नया शुरू करने का या खुद को बेहतर बनाने का सबसे अच्छा समय यही वर्तमान है। इसलिए, जब हम कहते हैं कि भविष्य

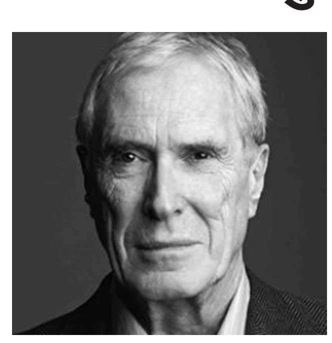

उज्ज्वल होगा तो उसकी शुरुआत भी हमें आज, इस पल से ही करनी होगी।जैसे कि वह किसी और समय, किसी और दिन आएगा। हर अभी हमारे आने वाले कल की नींव है। यह विचार न केवल दार्शनिक है बल्कि बेहद व्यावहारिक भी है, क्योंकि यह हमें अपने आज की ज़िम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करता है। इस उद्धरण का मूल संदेश यह है कि अगर हम अपने जीवन में कोई बदलाव लाना चाहते हैं, कोई लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं या कोई नया रास्ता चुनना चाहते हैं तो इसकी शुरुआत हमें किसी और दिन नहीं, बल्कि अभी से करनी होगी। कई बार हम कहते हैं, कल से शुरू करूंगा समय आने पर देखेंगे, या फुर्सत मिलेगी तो करेंगे लेकिन असल में समय कभी नहीं आता, हमें ही उसे बनाना होता है। यह पंक्ति एक चेतावनी भी है कि समय हाथ से फिसलता रहता है और अगर हम वर्तमान को खोते हैं, तो भविष्य अपने आप धुंधला होता चला जाता है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम संकल्प और क्रियाशीलता से जिएं। क्योंकि जब हम आज को संवारते हैं, तब ही हमारा आने वाला कल भी बेहतर बनता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

लोकनायक भगवान श्री राम

(भाग 2)

तां पुरीं स महातेजा राजा दशरथो महान् ।
शशास शमितामित्रो नक्षत्राणीव चन्द्रमाः ॥२७॥
(बालकांड / छठवा सर्ग)

चंडप्रतापी राजा दशरथ, अपने अष्टप्रधानों के साथ लोक कल्याणकारी राज्य चला रहे हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

उनके सभी आठों मंत्री उच्च गुणों से और शुद्ध विचारों से ओतप्रोत हैं। यह मंत्री हैं - धृष्टि, जयंत, विजय, सौराष्ट्र, राष्ट्रवर्धन, अकोप, धर्मपाल और सुमंत्र। इनमें, सुमंत्र अर्थशास्त्र के ज्ञाता हैं तथा राज्यकोषीय व्यवहार देख रहे हैं। यह सारे मंत्री, एक विचार से, देश हित के लिए प्रेरित हैं। यह सभी विनय संपन्न हैं। शस्त्र विद्या के ज्ञाता हैं। सुदृढ़ और पराक्रमी हैं। इनके सिवा सुयज्ञ, जाबालि, कश्यप, गौतम, दीर्घायु, मार्कंडेय और कात्यायन यह ब्रह्मर्षि भी राजा दशरथ के मंत्री हैं। ऐसे मंत्रियों के साथ, गुणवान राजा दशरथ, कोशल का शासन कर रहे हैं।

ईदृशैस्तैरमात्यैश्च राजा दशरथोऽनघः ।
उपपन्नो गुणोपेतैरन्वशासद् वसुन्धराम् ॥२०॥
(बालकांड / बीसवां सर्ग)

किंतु आर्यावर्त में सभी कुछ ठीक

नहीं चल रहा है। अयोध्या तो सुरक्षित है, किंतु अयोध्या के बाहर, न केवल कोशल जनपद में, वरन् समूचे आर्यावर्त में, एक दहशत की काली छाया छाई हुई है। इस दहशत का केंद्र बिंदु है रावण। सुदूर दक्षिण में, सिंहल द्वीप अर्थात लंका का राजा। परम शिव भक्त। यह सज्जन शक्ति प्रार्थना कर रही है, इस सृष्टि के रचयिता से, परमपिता परमेश्वर से, की ऱावण नाम का राक्षस, आपका कृपा प्रसाद पाकर, अपने असीम बल से हम लोगों को अत्यंत पीड़ा दे रहा है, कष्ट दे रहा है। हम में यह शक्ति नहीं है, कि हम इसे परास्त करें। अतः आप ही कुछ कीजिए।

भगवंस्त्वत्प्रसादेन रावणो नाम राक्षसः
सर्वान् नो बाधते वीर्याच्छासितुं तं न शक्नुमः ॥६॥
(बालकांड / पंद्रहवा सर्ग)

देवलोक में सृष्टि के निर्माता, सृष्टि के रचयिता, परमपिता परमेश्वर यह प्रार्थना सुन रहे हैं। वह पृथ्वी के पवित्र देश आर्यावर्त में रावण ने दस दिशाओं में मचाया हुआ उत्पात भी देख रहे हैं। किंतु इस बार नहीं। इस बार कोई चमत्कार नहीं। जब कभी समाज में आसुरी प्रवृत्ति जन्म लेगी, तब यह सज्जन शक्ति प्रतीक्षा करेगी परमपिता परमेश्वर के किसी अवतार की। वह प्रत्यक्ष संघर्ष नहीं करेगी। उनमें यह विश्वास निर्माण करना होगा कि सारी सज्जन शक्ति यदि एक होती है, संगठित होती है, तो किसी भी बलशाली दानवी शक्ति को परास्त कर सकती है। परमपिता परमेश्वर के अंश इसमें माध्यम बनेंगे। किंतु सारा संघर्ष करेगी सज्जन शक्ति तय हो गया। भगवान अवतार अवश्य लेंगे, किंतु किसी चमत्कार के बगैर। वे तो संगठित सज्जन शक्ति में देवत्व का संचार करने का कार्य मात्र करेंगे। इसके लिए वे माध्यम बनेंगे, आर्यावर्त की पवित्र नगरी अयोध्या के चंडप्रतापी राजा दशरथ के पुत्र के रूप में।

अपने विचार

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों के कारण, तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण हो रहा है और उसके कार्यों की सजा देश की अदालत में तय की जाएगी।

-मनोज तिवारी, सांसद, बीजेपी

अमित शाह ने देश के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं और कभी भी डगमगाए नहीं हैं। मैं अमित शाह जी की तरह बनना चाहूंगी। उनमें फैसले लेने की क्षमता है और वे वही करते हैं जो वे कहते हैं। भाजपा प्रतिभा और समर्पण से भरी हुई है।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

अगर उत्तर भारतीय, मराठी मानुष की पार्टी को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, तो हमें यह सोचने की जरूरत है कि क्या उन्हें मुंबई और महाराष्ट्र में रहने दिया जाना चाहिए।

-संदीप देशपांडे, प्रवक्ता, मनसे

मनसे या किसी अन्य पार्टी की ओर से महाराष्ट्र में लोगों से मराठी भाषा का इस्तेमाल करने पर जोर देना गलत नहीं है। मनसे की ओर से जो चेतावनी दी गई है उसकी सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हो रही है ।

-संजय निरुपम, नेता,शिवसेना(शिंदे)

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार)।

धारावी पुनर्विकास के लिए नमक भूमि पर मकान निर्माण को हरी झंडी

सरकार ने दी 256 एकड़ जमीन आवंटित करने की मंजूरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने धारावी पुनर्विकास परियोजना (DRP) के तहत बड़ी पहल करते हुए लगभग 256 एकड़ साल्टपैन (नमक उत्पादन) भूमि के आवंटन को मंजूरी दे दी है। इस भूमि का उपयोग उन 'अयोग्य' धारावी निवासियों के पुनर्वास के लिए किया जाएगा, जिन्हें वर्तमान योजनाओं में पात्रता नहीं मिली है। पूर्वी मुंबई के मुलुंड, कांजुरमार्ग और भांडुप में स्थित यह जमीन अब किफायती आवास परियोजनाओं के निर्माण के लिए तैयार की जाएगी। हालांकि कुछ पर्यावरण प्रेमियों और संगठनों ने इस कदम का पर्यावरणीय आधार पर विरोध भी किया है।

विपक्ष का विरोध और सरकार का पलटवार

पर्यावरणीय आधार पर हो रहे विरोध पर धारावी पुनर्विकास परियोजना के साझेदार NM DPL के प्रवक्ता ने सवाल उठाया कि जब मेट्रो कार शेड जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए साल्टपैन भूमि का इस्तेमाल हो सकता है, तो गरीबों के घर के लिए क्यों नहीं?

पर्यावरण के लिए खतरा नहीं : सीईओ

धारावी पुनर्विकास परियोजना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसवीआर श्रीनिवास ने बताया कि यह जमीन पूर्वी एक्सप्रेसवे के पश्चिम में है, जो समुद्र के संपर्क से वर्षों से बाहर है और पूरी तरह विकास योग्य है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सीआरजेड (तटीय विनियमन क्षेत्र) के अंतर्गत नहीं आता और न ही यह कोई संवेदनशील पर्यावरण क्षेत्र है।

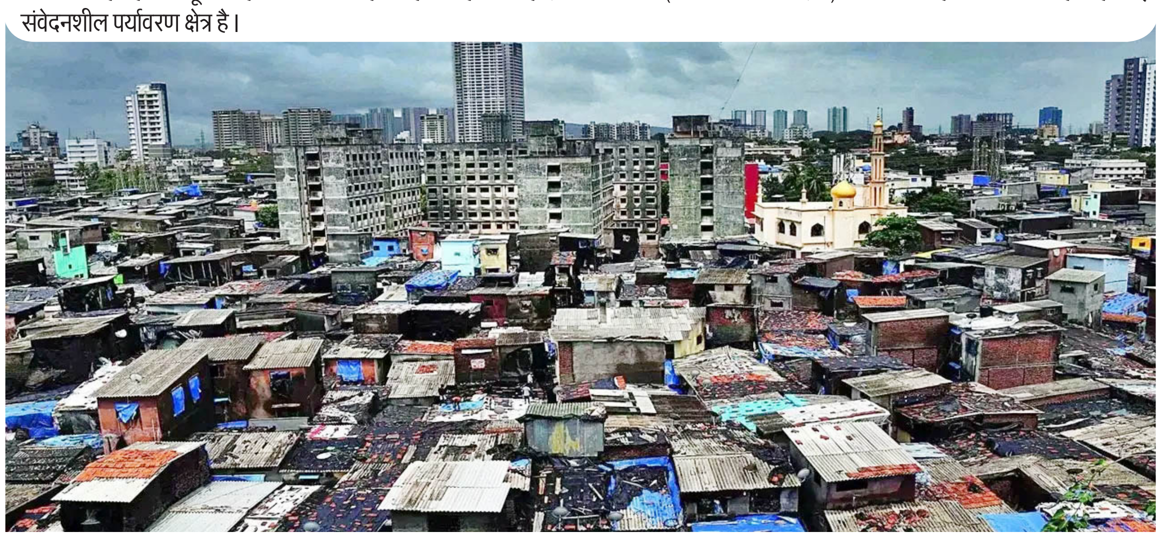

2018 में ही योजना को मिल चुकी थी मंजूरी

ध्यान देने वाली बात है कि मुंबई विकास योजना 2034 के तहत इन जमीनों को किफायती आवास के लिए आरक्षित किया गया था और 2018 में योजना को मंजूरी दी गई थी। उस समय राज्य में शिवसेना (शिंदे व ठाकरे गुट) सत्ता में थी।

साल्टपैन भूमि का पहले भी हुआ है उपयोग

वडाला में 55 एकड़ नमक भूमि पर केंद्रीय विभाग अपना ऑफिस और स्टाफ क्वार्टर बना रहा है। कांजुरमार्ग में 15 एकड़ भूमि मेट्रो लाइन 6 को दी गई है। पूर्व की महा विकास अघाड़ी सरकार ने भी मेट्रो की चार लाइनों के लिए संयुक्त कार शेड की योजना में साल्टपैन भूमि का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा था।

निर्माण से पहले ली जाएंगी पर्यावरणीय मंजूरियां

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी निर्माण कार्य से पहले सभी जरूरी पर्यावरणीय मंजूरी ली जाएंगी और कानूनी प्रक्रियाओं का पूरा पालन किया जाएगा।श्रीनिवास ने बताया कि फ्लेमिंगो और अन्य प्रवासी पक्षियों का आगमन जिस क्षेत्र में होता है, वह जमीन से दूर पूर्व की दिशा में है। इसलिए यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित माना जा रहा है।

भारत नगर कॉलोनी को स्लम घोषित करने पर रहिवासियों का विरोध तेज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बांद्रा-पूर्व स्थित भारत नगर कॉलोनी को स्लम घोषित किए जाने के खिलाफ स्थानीय रहिवासियों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया है। महाराष्ट्र हाउसिंग डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) की जमीन पर बनी इस कॉलोनी में लगभग 5 हजार लोग रहते हैं, जो नियमित रूप से म्हाडा को राजस्व का भुगतान करते हैं।

मुख्यमंत्री से की हस्तक्षेप की मांग

रहिवासियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अपील की है कि भारत नगर में एसआरए के जरिए चल रही अनियमितताओं पर तत्काल रोक लगाई जाए और उन्हें न्याय दिलाया जाए। डॉ. जाजू ने कहा कि उन्हें किसी बिल्डर से ऐतराज नहीं है, चाहे वह अडानी ही क्यों न हों, लेकिन प्रक्रिया पारदर्शी और नियमों के अनुसार होनी चाहिए।

एसआरए के फैसले पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि कलेक्टर की जगह पर बनी 'बसेरा' सोसाइटी को झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण (एसआरए) द्वारा डेवलप किया गया, जिसका हवाला देकर करीब 10 वर्ष पहले भारत नगर कॉलोनी को भी स्लम घोषित कर दिया गया।

एसआरए प्रक्रिया का नहीं हुआ पालन

डॉ. जाजू ने बताया कि एसआरए योजना लागू करने से पहले समिति बनती है, पात्रता की जांच होती है, बायोमेट्रिक सर्वे और 75 प्रतिशत रहिवासियों की सहमति जरूरी होती है, लेकिन भारत नगर में ऐसा कुछ नहीं हुआ।

डॉ. जाजू ने बताया एसआरए का निर्णय अवैध

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की डॉक्टर सेल के अध्यक्ष डॉ. विवेकानंद जाजू ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और बिल्डर की मिलीभगत से की गई है। उन्होंने कहा, भारत नगर का विकास केवल 33/5 अधिनियम के तहत म्हाडा द्वारा किया जा सकता है, एसआरए की कोई भूमिका नहीं बनती।

जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण अब पूरी तरह डिजिटल

नवी मुंबई मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देश पर सेवाओं में बदलाव

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका में सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देश पर जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण प्रक्रियाएं पूरी तरह ऑनलाइन की जा रही हैं, जिससे नागरिकों को अब कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब नागरिक घर बैठे ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे और डिजिटल प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगे। मौजूदा प्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए तकनीकी सुधार किए जा रहे हैं।

100 दिवसीय सात सूत्री योजना पर तेज़ अमल

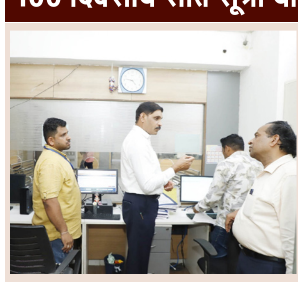

मुख्यमंत्री की संकल्पना के तहत चल रही 100 दिवसीय कार्य योजना के अंतर्गत मनपा मुख्यालय, अस्पताल, स्कूल सहित कई विभागों में सुधार कार्य तेज़ी से चल रहे हैं। डिजिटलीकरण से सेवा वितरण में पारदर्शिता और गति आई है, जिसे लेकर नागरिकों की प्रतिक्रिया भी सकारात्मक है।

अन्य सेवाएं भी होंगी डिजिटल

डॉ. शिंदे ने निर्देश दिए कि मलबा परमिट, भू-उपयोग परमिट, संपत्ति कर मूल्यांकन और हस्तांतरण जैसी सेवाएं भी जल्द ही डिजिटल होंगी। आवश्यक दस्तावेज़ों की जानकारी बोर्ड के माध्यम से सार्वजनिक की जाएगी।

विवाह पंजीकरण पासपोर्ट जैसी प्रणाली से

विवाह पंजीकरण के लिए अब पासपोर्ट प्रणाली जैसी सुविधा लागू की जाएगी। इसमें नागरिक ऑनलाइन दस्तावेज़ अपलोड करेंगे और उन्हें एसएमएस के माध्यम से अपॉइंटमेंट मिलेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यालयों का निरीक्षण

आयुक्त ने कोपरखैरणे मातृ एवं शिशु अस्पताल का दौरा कर बाधाएं हटाने और प्रवेश द्वारों का विस्तार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नागरिक सुविधा केंद्र की बैठक व्यवस्था और फाइल प्रबंधन प्रणाली में भी सुधार का आदेश दिया।

आरटीई के तहत प्रतीक्षा सूची चरण-2 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

ठाणे जिले में 15 अप्रैल तक करना होगा दस्तावेजों का सत्यापन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत हर वर्ष 25 प्रतिशत आरक्षण के तहत दी जाने वाली ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में प्रतीक्षा सूची चरण क्रमांक 02 की प्रवेश प्रक्रिया 8 अप्रैल 2025 से शुरू हो चुकी है। इस चरण में 955 विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए चयनित किया गया है। प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2025 तय की गई है, इसलिए चयनित छात्रों के अभिभावकों को निर्धारित तिथि तक दस्तावेज सत्यापन और प्रवेश पुष्टि की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

एसएमएस के साथ पोर्टल पर भी रखें नजर

ठाणे जिला परिषद शिक्षा विभाग ने बताया है कि चयनित छात्रों के अभिभावकों को एसएमएस भेजे जा रहे हैं, लेकिन केवल एसएमएस पर निर्भर न रहते हुए, आरटीई पोर्टल पर जाकर 'आवेदन स्थिति' टैब से आवेदन क्रमांक दर्ज कर स्थिति की जांच करना आवश्यक है।

दस्तावेज सत्यापन और समिति की स्वीकृति जरूरी

अभिभावकों को आवंटन पत्र और सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ निकटतम सत्यापन केंद्र पर जाकर सत्यापन समिति का अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य है। बिना सत्यापन के प्रवेश की पुष्टि संभव नहीं होगी। शिक्षा अधिकारी बालासाहेब रक्से ने अभिभावकों से अपील की है कि वे 15 अप्रैल 2025 तक हर हाल में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करें, ताकि बच्चों को समय पर विद्यालय में दाखिला मिल सके।

627 स्कूलों में 11,320 रिक्तियां, 7,945 प्रवेश पूर्ण

ठाणे जिले में पंचायत समिति और नगर निगम क्षेत्रों के अंतर्गत कुल 627 पात्र स्कूल हैं, जिनमें कुल 11,320 सीटें उपलब्ध हैं। अब तक 7,945 छात्रों का सफलतापूर्वक प्रवेश हो चुका है।

ठाणे में उत्साहपूर्वक मनाया गया राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन भवन में राष्ट्रीय सर्वेक्षण दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस दिन की ऐतिहासिक महत्ता को याद करते हुए, 10 अप्रैल 1802 को भारत में भूमि सर्वेक्षण की पहली आधार रेखा रखे जाने और महान त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण की शुरुआत के उपलक्ष्य में यह दिन मनाया जाता है। कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी सुरिंदर सिंह के हाथों हुआ, जबकि अध्यक्षता भू-अभिलेख विभाग के उपसंचालक महेश इंगले ने की। इस अवसर पर व्यावसायिक संदीप बिंद्रा और जिला अधीक्षक भू-अभिलेख बाबासाहेब रेडेकर भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर भू-अभिलेख विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा पिछले वर्ष उत्कृष्ट सेवा देने वाले कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

'नाम, नमक और निशान' के प्रति निष्ठा रखने की अपील

मुख्य अतिथि सुरिंदर सिंह ने अपने प्रेरणादायक भाषण में विभागीय कर्मियों से 'नाम, नमक और निशान' के प्रति पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने की अपील की। उपसंचालक महेश इंगले ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विभाग में आ रहे सकारात्मक बदलावों पर प्रकाश डालते हुए जनता को अधिक प्रभावी ऑनलाइन सेवाएं देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में हास्यकार सुहास जोशी ने अपने हास्य-व्यंग्य से सभी को तनाव मुक्त रहने का संदेश दिया और खूब मनोरंजन किया।

पश्चिम रेलवे ने टिकट जांच और गैर-किराया राजस्व में रचा नया कीर्तिमान

2024-25 में 150.86 करोड़ जुर्माना वसूला, NFR श्रेणी में दूसरे स्थान पर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में टिकट जांच और गैर-किराया राजस्व (NFR) के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल करते हुए एक नया कीर्तिमान रचा है। इस वर्ष टिकट चेकिंग अभियानों के तहत 25.17 लाख अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया, जिससे 150.86 करोड़ का रिकॉर्ड जुर्माना वसूला गया। इसके साथ ही पश्चिम रेलवे, भारतीय रेलवे में गैर-किराया राजस्व के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

मार्च में 2.72 लाख मामले, 16.57 करोड़ जुर्माना

Shri C.K. Sinha, Dy. Chief Ticketing Inspector, Surat
Shri Laxman Kumar, Dy. Chief Ticketing Inspector, Borivali
Shri Ashutosh Kumar Singh, Dy. Chief Ticketing Inspector, HQ

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, मार्च 2025 में अकेले 2.72 लाख मामलों से 16.57 करोड़ का जुर्माना वसूला गया। यह प्रदर्शन रेलवे की यात्रा अनुशासन बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अनियमित यात्रियों पर नीतिगत बदलाव का असर

जून 2024 में लागू की गई एक नई नीति के तहत, अनियमित यात्रियों से अब गंतव्य तक का पूरा जुर्माना वसूलने की बजाय, पकड़े जाने तक का किराया वसूला जाता है और उन्हें तुरंत ट्रेन से उतार दिया जाता है। इससे आरक्षित डिब्बों की भीड़ कम हुई है और टिकटधारकों को बेहतर अनुभव मिल रहा है। सी.के. सिन्हा (सूरत Dy CTI) ने 10,682 मामलों से 74.87 लाख वसूले। लक्ष्मण कुमार (बोरीवली) ने 10,603 मामलों से 67.36 लाख वसूले। आशुतोष कुमार सिंह (मुख्यालय) ने 6,687 मामलों से 66.13 लाख वसूले। मुंबई उपनगरीय खंड में 11 लाख मामलों से 47.43 करोड़ की वसूली की गई ।सामान्य टिकट पर AC लोकल में यात्रा करने वालों के खिलाफ भी 65,000 मामलों में 2.09 करोड़ का जुर्माना वसूला गया।

अब वेतन देरी होने पर जिम्मेदार होंगे आहरण व संवितरण अधिकारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों के व्यक्तिगत डेटा को अब सेवार्थ प्रणाली में अनिवार्य रूप से अद्यतन करना होगा। राज्य के वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि डेटा अद्यतन न होने के कारण अप्रैल और मई का वेतन देने में देरी होती है, तो उसके लिए संबंधित आहरण और संवितरण अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा। इस संबंध में वित्त विभाग ने परिपत्र जारी करते हुए कहा है कि राज्य के सभी आहरण-संवितरण अधिकारी, जिला कोषागार अधिकारी और उप कोषागार अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सेवार्थ प्रणाली में सभी कर्मियों का

डेटा पूर्ण और अद्यतन हो। परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी कार्यालय के आहरण और संवितरण अधिकारी ने सेवार्थ प्रणाली पर पंजीकरण नहीं किया है, तो उनके अधीन कर्मचारियों को अप्रैल और मई का वेतन नहीं दिया जाएगा।वित्त विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि डेटा अद्यतन में लापरवाही के कारण किसी कर्मी का वेतन रुकता है, तो आहरण और संवितरण अधिकारी को व्यक्तिगत जिम्मेदार माना जाएगा और आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृष: फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

मिथुन: नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी।

कर्क: कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा।

सिंह: कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें।

कन्या: घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला: उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक: दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा।

धनु: बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

मकर: व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ: योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

मीन: पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।

क्या पितरों का श्राप बन सकता है जीवन की बड़ी समस्याओं का कारण? जानिए पितृदोष से जुड़ी अहम बातें

पितर जब नाराज हो जाते हैं तो वे श्राप देते हैं, जिसके कारण व्यक्ति को अपने जीवन में कई प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ता है। पितरों का श्राप 7 पीढ़ियों तक चलता है। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि पितरों का श्राप कैसे लगता है? पितरों के श्राप के कारण कौन सी 5 बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है?

पितरों का श्राप 7 पीढ़ियों तक चलता है।

ज्योतिष में 11 तरह के पितृ श्राप होते हैं।

सनातन धर्म में पितरों का विशेष स्थान है, इसलिए सभी मांगलिक कार्यों में पितरों की पूजा की जाती है। शादी, जनेऊ आदि जैसे कार्यक्रमों में पितरों को आमंत्रित भी किया जाता है क्योंकि उनके आशीर्वाद से संतान का कल्याण होता है। यही पितर जब नाराज हो जाते हैं तो वे श्राप देते हैं, जिसके कारण व्यक्ति

को अपने जीवन में कई प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ता है। कई बार पूरा परिवार ही पितृ दोष से पीड़ित होता है।

पितरों का श्राप 7 पीढ़ियों तक चलता है। पितरों को खुश करने के लिए अमावस्या, पूर्णिमा, महत्वपूर्ण स्नान की तिथियों और पितृ पक्ष में तर्पण, दान, श्राद्ध आदि करते हैं।

काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि पितरों का श्राप कैसे लगता है? पितरों के श्राप के कारण कौन सी 5 बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है?

पितृ श्राप क्या है

जब कोई व्यक्ति अपने माता और पिता को कष्ट पहुंचाता है या कोई अपराध करता है तो उसे मृत्यु के बाद भूत, प्रेत, पिशाच आदि योनि में भटकना पड़ता है। वहीं ऐसे अपराध करने के बाद व्यक्ति को जब अगला मनुष्य जन्म मिलता है, तो उसे पितृ श्राप का भागी बनना पड़ता है। वहीं ज्योतिष में 11 तरह के पितृ श्राप होते हैं, जिसमें सूर्य, शनि, राहु, चंद्रमा, गुरु आदि ग्रहों की कुंडली में स्थितियों को देखकर इसका विचार होता है। पिछले जन्म का पितृ श्राप, पितृ ऋण या पितृ दोष कुंडली को देखकर भी होता है।

पितरों के श्राप से आने वाली परेशानियां

1। संतानहीनः जो व्यक्ति पितरों के श्राप या पितृ दोष से पीड़ित होता है, उसकी कोई संतान नहीं होती है। वह संतानहीन होता है। ऐसे लोग कभी भी संतान का मुख नहीं देख पाते हैं। मान्यताओं के अनुसार, पितर श्राप देते हैं कि जो व्यक्ति उनको तृप्त नहीं कर सका, उसे संतान की क्या जरूरत है। इस वजह से उसके वंश की वृद्धि नहीं हो पाती है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

घर बैठे लोन देने के नाम पर 50 करोड़ की ठगी

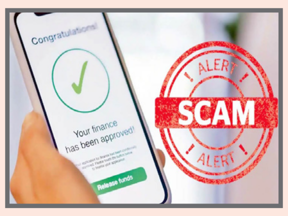

रायपुर। राजधानी रायपुर में घर बैठे लोन दिलाने के नाम पर बड़ी ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें अब तक करीब 50 करोड़ रुपए की चपत लगाई जा चुकी है। ठगी का यह खेल आरवी ग्रुप एडवाइजर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा चलाया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी लोगों को जरूरत से दोगुना लोन दिलवाने का झांसा देते थे। फिर कहते कि लोन की आधी राशि निवेश में लगाई जाएगी और उससे हुई कमाई से लोन की किस्तें चुकाई जाएंगी। लेकिन हकीकत में न निवेश होता था, न लोन चुकता। कई लोग इस फर्जीवाड़े का शिकार हो चुके हैं। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कंपनी के छह कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया है, जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। हालांकि, कंपनी का प्रमुख अब भी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

अनिल टाइगर मर्डर केस का खुलासा

रांचीः भाजपा नेता अनिल टाइगर की हत्या जमीन विवाद की वजह से अंजाम दी गई थी। इस मामले में रांची पुलिस ने अहम कामयाबी हासिल करते हुए फरार चल रहे शूटर अमन सहित कुल चार अपराधी को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के द्वारा बनाई गयी एसआईटी ने भाजपा नेता अनिल टाइगर के हत्याकांड की गुत्थी को सुलझाते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले हत्याकांड वाले दिन ही घटना को अंजाम देकर फरार होने के समय एक शूटर रोहित वर्मा को पुलिस ने एनकाउंटर कर धर दबोचा था, जबकि दूसरा शूटर अमन फरार होने में कामयाब हो गया था।

जमीन विवाद में फायरिंग, बुजुर्ग की मौत

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र के धोबी बिगहा गांव में बुधवार को जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गोतिया (पाटीदार) के बीच हुए झगड़े में बंदूक से फायरिंग हुई, जिसमें एक बुजुर्ग की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान 73 वर्षीय छोटे लाल यादव के रूप में हुई है। घायल लोगों का इलाज हायर सेंटर में कराया जा रहा है। मृतक के पोते रोहित कुमार ने बताया कि पिछले चार महीने से जमीन को लेकर शिव बालक यादव से विवाद चल रहा था। अस्थावां के सीओ ने दोनों पक्षों को विवादित जमीन पर निर्माण कार्य रोकने का आदेश भी दिया था। इसके बावजूद विरोधी पक्ष निर्माण कार्य कर रहा था। जब रोहित और उसके परिवार ने काम रोकने को कहा तो घर पर चढ़कर फायरिंग शुरू कर दी गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। गांव में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

सागवाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष निलंबित

डूंगरपुरः जिले की सागवाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र खोड़निया और उपाध्यक्ष मोहम्मद इस्माइल घांची को स्वायत्त शासन विभाग ने पद से निलंबित कर दिया है। दोनों पर 2017 में बने नगर पालिका भवन को नियमों के खिलाफ जाकर ध्वस्त करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप है। उपाध्यक्ष मोहम्मद इस्माइल पर यह भी आरोप है कि उन्होंने नियमों के खिलाफ राष्ट्रीय राजमार्ग 927 ए के किनारे पट्टा जारी करवा दिया। मामले में क्षेत्रीय उपनिदेशक (डीडीआर उदयपुर) की ओर से जांच के बाद स्वायत्त शासन विभाग ने यह एक्शन लिया है।

दहेज प्रताड़ना का शिकार हुई मायावती की भतीजी

एजेंसी | हापुड़

बसपा सुप्रीमो मायावती की भतीजी ने अपने पति, सास-ससुर सहित 7 लोगों पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। कोर्ट के आदेश पर हापुड़ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मायावती की भतीजी की सास मौजूदा समय में बसपा से नगर पालिका चेयरमैन हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ससुरालवालों पर 50 लाख रुपए और फ्लैट की डिमांड पूरी न होने पर पीटने का लगाया आरोप

क्या है आरोप?

आरोप है कि विवाद के बाद जेठ भूपेंद्र उर्फ मोनू और ससुर श्रीपाल सिंह पीड़िता उसे कमरे में ले जाकर मारपीट करने लगे। इसके साथ ही कपड़े फाड़कर जबरदस्ती करने लगे। शोर मचाने पर किसी तरह बचाव हुआ। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वालों ने अब तेरी बुआ मायावती का कोई जनाधार नहीं है। अब तू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती और ना ही हम तेरी बुआ से डरते हैं। एसपी ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

2023 में हुई थी शादी

पुलिस को दी तहरीर में मायावती की भतीजी बताया कि उसकी शादी 9 नवंबर 2023 को हापुड़ के रामलीला ग्राउंड निवासी विशाल सिंह के साथ दिल्ली के होटल हयात में हुई थी। शादी के बाद से ही उसके पति विशाल, ससुर श्रीपाल सिंह, सास पुष्पा देवी, जेठ भूपेंद्र उर्फ मोनू, जेठानी निशा, नंद शिवनी, मौसा ससुर अखिलेश एक साथ मिलकर इंदिरापुरम गाजियाबाद में एक फ्लैट और 50 लाख रुपए नगद दहेज की मांग करते थे। कहते थे कि तुम्हारी बुआ मायावती बहुजन समाज पार्टी की कर्ताधर्ता हैं और तुम्हारे पास बहुत पैसा है। तुम एक फ्लैट में 50 लाख रुपये की व्यवस्था कर दो। मना करने पर सभी लोग पीड़िता के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देते थे।

पति को बताया नपुंसक

पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उसका पति शादी से पहले एस्टेरॉयड के इंजेक्शन लगाता था। इसकी जानकारी उसके ससुराल वालों को पहले से थी। एस्टेरॉयड के इंजेक्शन लेने के कारण पति नपुंसक हो चुका है। जिसकी वजह से उका वैवाहिक जीवन पूरी तरह से बर्बाद हो गया। जब यह बात अपनी सास और ननद को बताई तो उन्होंने धमकी दी। इसके बाद 17 फरवरी 2025 की रात को पति से विवाद हो गया।

उत्तराखंड में वन्यजीव डॉक्टरों की भारी कमी

सिर्फ 8 डॉक्टर संभाल रहे जिम्मा

एजेंसी | देहरादून

उत्तराखंड में वन्यजीवों की सेहत पर गंभीर संकट मंडरा रहा है, क्योंकि पूरे राज्य में सिर्फ 8 पशु चिकित्सक ही वन्यजीवों की देखरेख में तैनात हैं। इसमें भी अब 4 डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति खतरे में है, जिससे वन्यजीव उपचार और बंदरों की नसबंदी जैसे कार्यक्रमों पर असर पड़ सकता है।

वन विभाग के पास नहीं है पशु चिकित्सकों का खुद का ढांचा

चौंकाने वाली बात यह है कि वन विभाग के पास पशु डॉक्टरों के लिए कोई स्थायी ढांचा ही नहीं है। ऐसे में विभाग पूरी तरह से पशुपालन विभाग पर निर्भर है। पशुपालन विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आए 8 डॉक्टरों के सहारे ही वन्यजीवों की बीमारियों और नसबंदी जैसे कार्यक्रम चल रहे हैं।

वित्त विभाग के आदेश से बढ़ी परेशानी

अब वित्त विभाग के ताजा आदेश से स्थिति और जटिल हो गई है। आदेश के अनुसार, प्रतिनियुक्ति की अधिकतम अवधि 2 साल तय की गई है और उसके बाद सेवा विस्तार के लिए वित्त की अनुमति अनिवार्य है। इस वजह से 4 डॉक्टरों की सेवा अवधि अधर में लटक गई है।

लखनऊ में तेज आंधी और बारिश

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गुरुवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला नजर आया। काले बादल, झोंकेदार हवाएं और बारिश के चलते शहर में दिन में ही अंधेरा छा गया, जिससे लोगों को सड़कों पर लाइट जलाकर चलना पड़ा। मौसम ठंडा होने से गर्मी से राहत मिली, लेकिन किसानों के लिए चिंता बढ़ गई। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की वजह से लखनऊ में पूर्वा और पछुआ हवाओं के टकराव से यह स्थिति बनी। सुबह 8:30 बजे तक लखनऊ में 7 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि एयरपोर्ट क्षेत्र में 2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बाराबंकी, रायबरेली, सीतापुर सहित कई जिलों में भी अच्छी बारिश हुई है।

दुबई में मिर्जापुर के युवक की संदिग्ध हालात में मौत

मां ने पीएम से लगाई मदद की गुहार
बेटे का शव भारत लाने जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया ज्ञापन

एजेंसी | मिर्जापुर

जिला देहात कोतवाली क्षेत्र के पिपराडाड गांव निवासी सोनू की दुबई में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसे दुबई सेना कैंप के पास गोली मार दी गई। बेटे की मौत की खबर मिलते ही मां मीला देवी, पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मीला देवी ने बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा और बेटे का शव भारत लाने की गुहार लगाई।

सेना कैंप के पास गोली मारे जाने का आरोप

परिवार वालों के मुताबिक, 3 अप्रैल की रात सोनू अपनी कंपनी एनपीसी ट्रोजन के बाहर कुछ साथियों के साथ टहल रहा था। इसी दौरान उसे गोली मारी गई। बताया जा रहा है कि घटना दुबई और ओमान बॉर्डर के पास हुई। उसके साथियों ने फोन पर घरवालों को घटना की जानकारी दी। लेकिन घटना को 7 दिन से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि सोनू कहां है और शव भारत कब लाया जाएगा।

हर दिन होती थी बात, अब फोन स्विच ऑफ

मृतक सोनू दुबई में कारपेंटर का काम करता था और बीते 11 महीनों से एनपीसी ट्रोजन कंपनी में कार्यरत था। वह रोजाना भारत में अपनी पत्नी और मां से बात करता था, लेकिन 3 अप्रैल के बाद से उसका फोन बंद है। पत्नी बेबी और तीन छोटे बच्चों शालू (9 वर्ष), खुशबू (7 वर्ष) और विनायक (1 वर्ष) का बुरा हाल है।

प्रशासन कर रहा कार्रवाई

अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। परिजनों से जानकारी प्राप्त की जा चुकी है और प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

डुमरी विधायक जयराम महतो को जान का खतरा

अमित शाह से मांगी जेड प्लस सुरक्षा
कांग्रेस विधायक पर दर्ज कराई प्राथमिकी

बोकारो। डुमरी विधायक जयराम महतो ने अपनी जान को खतरा बताया है और इसको लेकर उनकी पार्टी ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर Z+ सुरक्षा की मांग की है। विधायक ने बोकारो से कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह, उनके समर्थक मनीष कुमार सिंह और राजीव कुमार गुप्ता के खिलाफ बीएस सिटी थाना में एफआईआर दर्ज कराई है।

विधायक का आरोप: धरने के दौरान हुआ हमला

जयराम महतो का आरोप है कि 3 अप्रैल को बोकारो स्टील प्लांट के सामने चल रहे धरने के दौरान वे मौके पर पहुंचे थे, तभी श्वेता सिंह और उनके समर्थकों ने उन पर हमला कर दिया। उनकी गाड़ी का नंबर प्लेट और बोर्ड तोड़कर फेंक दिया गया।

डीएसपी आलोक रंजन ने एफआईआर की पुष्टि की

बीएस सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने कहा कि विधायक की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस मामले पर बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने सफाई दी कि उन्हें एफआईआर की जानकारी मीडिया के जरिए मिली है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार की हरकतें जयराम महतो कर रहे हैं, उससे उन्हें खुद के जीवन पर खतरा महसूस हो रहा है।

गर्मियां शुरू होते ही धधकने लगे जंगल

9 दिनों में 113 हेक्टेयर वन संपदा राख

बिलासपुर। गर्मी बढ़ने के साथ जंगलों में भी आग की घटनाएं बढ़ना शुरू हो गई हैं। पिछले 9 दिनों में वन विभाग के 7 सर्कलों में जंगलों में आग लगने की 15 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं में 113.85 हेक्टेयर भूमि पर वन संपदा जल कर राख हुई है। वन विभाग के अनुसार 1 से 9 अप्रैल के बीच में बिलासपुर वन सर्कल में जंगलों में आग लगने की तीन घटनाएं दर्ज की गई है। धर्मशाला वन सर्कल में तीन, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क में एक, मंडी में एक, नाहन में एक, शिमला में दो और सोलन सर्कल में एक घटना आग लगने की दर्ज की गई है।

बिलासपुर, मंडी और धर्मशाला सबसे ज्यादा प्रभावित

धर्मशाला सर्कल में 3.5 हेक्टेयर, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क में 10 हेक्टेयर, मंडी में 54 हेक्टेयर, नाहन में 8 हेक्टेयर, शिमला में 3.35 हेक्टेयर, सोलन में 5 हेक्टेयर भूमि पर वन संपदा राख हुई है। वनों में आग लगने के लिए अप्रैल से जुलाई तक समय अति संवेदनशील माना जाता हैं। इन्हीं माह में वनों में आग लगने की करीब 70 प्रतिशत घटनाएं दर्ज की जाती हैं। वन विभाग के अनुसार पिछले समर सीजन में वनों में आग लगने की 2,410 घटनाएं दर्ज की गई थीं। इनमें 30,788 हेक्टेयर भूमि पर वन संपदा राख हुई थी। वन विभाग की ओर से हर साल जंगलों की आग को रोकने के लिए कई दावे किए जाते हैं, लेकिन वन विभाग के आंकड़ों को ही देखा जाए तो पिछले कुछ साल से आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होती जा रही है।

व्यापार जगत

गोल्डमैन ने अमेरिका में 65% मंदी का अनुमान लिया वापस

टैरिफ नीति पर 90 दिन की रोक के बाद घटाई आशंका; रिसेशन के अब 45% चांस

न्यूयॉर्क। ट्रंप के नई टैरिफ नीति पर 90 दिन की रोक लगाने के बाद ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म गोल्डमैन सैक्स ने अमेरिका में मंदी का अनुमान घटा दिया है। 9 अप्रैल को गोल्डमैन ने अमेरिका में अगले 12 महीनों में मंदी आने की 65% संभावना जताई थी। लेकिन ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों में गोल्डमैन ने रिसेशन फोरकास्ट को वापस ले लिया। रिसर्च फर्म का मानना है कि ट्रेड-टैरिफ वॉर और स्लो ग्रोथ के चलते मंदी आने की आशंका अभी भी 45% है। गोल्डमैन ने कहा पुराने टैरिफ अभी भी लागू हैं। इससे सेक्टर स्पेसिफिक टैरिफ 25% तक पहुंचने की आशंका है। फर्म ने 2025 में अमेरिकी इकोनॉमी की ग्रोथ रेट का अनुमान सिर्फ 0.5% रखा है।

टैरिफ पर रोक के बाद अमेरिकी बाजार 12% तक चढ़े

अमेरिकी बाजार 9 अप्रैल को 12% तक चढ़कर बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी 10% तक की तेजी है। बाजारों में आई इस तेजी की वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का वो फैसला है जिसमें उन्होंने चीन को छोड़कर अन्य सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ को 90 दिनों के लिए टाल दिया है। डॉउ जोन्स 2,962 अंक या 7.87% बढ़कर 40,608 पर बंद हुआ, जो मार्च 2020 के बाद से इसका सबसे बड़ा सिंगल डे गेन है। S&P 500 इंडेक्स 9.52% बढ़कर 5,456.90 पर पहुंच गया, जो 2008 के बाद से इसका सबसे बड़ा सिंगल सेशन राइज है। टेक शेयरों का इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 12.16% बढ़कर 17,124 पर पहुंच गया, जो जनवरी 2001 के बाद से सबसे बड़ा गेन है। लगभग 30 बिलियन शेयरों का कारोबार हुआ, जिससे यह वॉल स्ट्रीट के इतिहास में सबसे अधिक कारोबार वाला दिन बन गया।

नई टैरिफ नीति के बाद बढ़ी ग्लोबल मंदी की आशंका

जेपी मॉर्गन ने मंदी की आशंका 60% कर दी है। ये पहले 40% थी। एसएंडपी ग्लोबल ने अमेरिकी मंदी की आशंका 30-35% कर दी है। ये पहले 25% थी। HSBC ने कहा मंदी का 40% खतरा शेयर बाजारों में पहले से दिख रहा है।

FY25 की चौथी तिमाही में टीसीएस को 12,293 करोड़ मुनाफा

रेवेन्यू सालाना आधार पर 5% बढ़ा
30 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देगी कंपनी

मुंबई। वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी यानी, चौथी तिमाही में टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) को 12,293 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 1.67% की कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 12,502 करोड़ का मुनाफा हुआ था। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी ने 61,237 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर यह 5.3% बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2023-24 में कंपनी ने 61,237 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं के बेचने से मिलने वाली राशि को राजस्व या रेवेन्यू कहा जाता है। इसमें टैक्स शामिल नहीं होता है। कंपनी ने 10 अप्रैल को Q4 के नतीजे जारी किए।

30 रुपए प्रति शेयर लाभांश देगी TCS

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर पर 30 रुपए का लाभांश यानी डेविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा शेयर होल्डर्स को भी देती हैं, इसे ही लाभांश कहा जाता है।

महाराष्ट्र में 3,000 अफोर्डेबल होम्स को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई। IIFL होम फाइनेंस लिमिटेड और महाराष्ट्र हाउसिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (MHDC) ने मंगलवार को महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY 2.0) के तहत अफोर्डेबल हाउसिंग को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर राज्य में लगभग 3,000 अफोर्डेबल घरों की बिक्री और वित्तपोषण को गति देंगी। इसका लाभ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) और निम्न आय वर्ग (LIG) के लोगों को मिलेगा।

PMAY 2.0 के तहत कमजोर और निम्न आय वर्ग को घर दिलाने की पहल

IIFL होम फाइनेंस के CEO और ED मोनू रात्रा ने कहा कि यह सहयोग राज्य के हजारों परिवारों को घर का सपना साकार करने में मदद करेगा। MHDC के आवास नेटवर्क और IIFL की डिजिटल-फर्स्ट वित्तीय सेवाओं के मेल से यह पहल 'हाउसिंग फॉर ऑल' मिशन को मजबूती देगी। MHDC के अधिकारियों ने इसे महाराष्ट्र के लोगों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक अहम कदम बताया।

सेबी ने हितों के टकराव पर बनाई हाईलेवल कमेटी, 3 महीने में देगी रिपोर्ट

पूर्व चीफ विजिलेंस कमिश्नर प्रत्यूष सिन्हा समिति के अध्यक्ष

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी (SEBI) ने डिस्क्लोजर्स और बोर्ड मेंबर्स के हितों के टकराव से जुड़े नियमों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति 3 महीने में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी और सेबी को पारदर्शिता बढ़ाने के सुझाव देगी।

प्रत्यूष सिन्हा समिति के अध्यक्ष, उदय कोटक भी सदस्य

इस 6 सदस्यीय समिति की अध्यक्षता पूर्व चीफ विजिलेंस कमिश्नर प्रत्यूष सिन्हा करेंगे, जबकि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के पूर्व सचिव आई श्रीनिवास उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। अन्य सदस्यों में सेबी के पूर्व सदस्य जी महालिंगम, कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक, पूर्व डिप्टी सीएजी सरित जाफा और आईआईएम बेंगलुरु के पूर्व प्रोफेसर आर. नारायण स्वामी शामिल हैं।

हितों के टकराव से जुड़े नियमों की होगी समीक्षा

सेबी ने कहा है कि यह समिति बोर्ड सदस्यों व अधिकारियों के हितों के टकराव से संबंधित मौजूदा नियमों की समीक्षा करेगी और कमियों को दूर करने के उपाय सुझाएगी। साथ ही, टकराव की आशंका वाली अन्य नीतियों की पहचान कर उन्हें संशोधित करने की सिफारिश भी करेगी।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद उठे थे सवाल

सेबी के नए चेयरमैन तुहीन कांत पांडेय ने पद संभालते ही पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर दिया था। समिति का गठन ऐसे वक्त में किया गया है जब हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर हितों के टकराव के आरोप लगे थे। हालांकि, बुच और उनके पति ने इन आरोपों को भ्रामक और निराधार बताया था।

टीवी, फ्रिज, स्मार्टफोन हो सकते हैं सस्ते

नई दिल्ली। टैरिफ के कारण अमेरिका-चीन के बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच कई चीनी इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स भारतीय कंपनियों को 5% तक की छूट ऑफर कर रहे हैं। ऐसे में इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स मांग को बढ़ाने के लिए इस डिस्काउंट का कुछ हिस्सा कंज्यूमर को पास कर सकते हैं। इस कदम से भारत में टीवी, फ्रिज, स्मार्टफोन जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक्स सामान सस्ते हो सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रेड वॉर से अमेरिका में चीन से आने वाला सामान महंगा हो जाएगा, इससे डिमांड में कमी आ सकती है। डिमांड की कमी की चिंता चीनी कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स पर दबाव बढ़ा रही है। ऐसे में डिमांड को बढ़ाने के लिए ये मैन्युफैक्चरर्स भारतीय कंपनियों को डिस्काउंट दे रहे हैं। चीन से भारत सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात करता है। इसमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, टेलीविजन, पावर सप्लाइज और इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट्स शामिल हैं। 2022 में इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात की वैल्यू 30.63 बिलियन डॉलर थी।

न्यूज ब्रीफ

क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना और शेल्टन

मोनाको। दिग्गज भारतीय रोहन बोपन्ना ने अमेरिका के अपने जोड़ीदार बेन शेल्टन के साथ मोंट कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बोपन्ना और शेल्टन की जोड़ी ने बुधवार रात को तीसरी वरीयता प्राप्त इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावास्सोरी को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 2-6, 7-6, 10-7 से उलटफेर का शिकार बनाया। पहली बार जोड़ी बनाकर खेल रहे बोपन्ना-शेल्टन ने पहला सेट गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी कर जीत दर्ज की। बोपन्ना 2017 में उरुग्वे के पाब्लो क्यूवास के साथ मिलकर यह खिताब जीत चुके हैं।

टेस्ट क्रिकेट को जिंदा रखा जाए : पाटिल

अलवर। 1983 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य और नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के डायरेक्टर रहे संदीप पाटिल ने बीसीसीआई और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से आग्रह किया है कि टेस्ट क्रिकेट को जिंदा रखा जाए। उन्होंने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि पिछले 10 वर्षों में क्रिकेट में काफी बदलाव आया है जो इसके लिए सही नहीं है। उन्होंने आईपीएल और टी-20 पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब हालात यह है कि एक-एक दिन में दो-दो मैच हो जाते हैं। तीन घंटे में परिणाम सामने आ जाता है। लेकिन जो मूल क्रिकेट है, टेस्ट मैच पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि बैट और बल्ले के अलावा पूरी क्रिकेट में बदलाव आया है जो खिलाड़ियों के अंदर के बेसिक क्रिकेटर को कम कर रहा है।

आईपीएल मैच के एक घंटे बाद होंगे पीएसएल के मुकाबले

कराची। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साथ सीधे प्रसारण समय के टकराव को कम करने के लिए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) प्रबंधन ने आईपीएल मैच के शुरू होने के एक घंटे बाद अपने मैच का समय निर्धारित किया है। पीएसएल शुक्रवार को रावलपिंडी में शुरू होगा। दोनों लीग शुरू होने के बाद पहली बार दोनों एक ही विंडो में पड़ रही हैं। पीएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलमान नसीर ने गुरुवार को एक पॉडकास्ट में कहा, पीएसएल मैच रात 8:00 बजे से शुरू होंगे। पाकिस्तानी स्थानीय समयानुसार आईपीएल मैच शाम सात बजे शुरू होते हैं। इस साल की शुरुआत में व्यस्त कार्यक्रम के कारण हमारे पास अप्रैल-मई की विंडो में पीएसएल कराने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

पटरी पर लौटना चाहेगी चेन्नई एक्सप्रेस

- घरेलू मैदान चेपक में आज कोलकाता से होगी टक्कर
- लगातार चार मुकाबले हार चुकी है सुपरकिंग्स की टीम

एजेंसी | चेन्नई

लगातार चार हार झेल चुकी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2025 में वापसी के लिए शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान चेपक स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अहम हो गया है, क्योंकि कोलकाता भी पिछले मैच में लखनऊ से मिली हार को भुलाकर पटरी पर लौटना चाहेगी। चेन्नई की टीम को इस सीजन घरेलू मैदान से वैसी मदद नहीं मिली जैसी उसे पहले मिलती रही है। कोच स्टीफन फ्लेमिंग पहले ही पिच की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

रुतुराज से बड़ी पारी की दरकार

टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं। कॉन्वे, रचिन और शिवम दुबे फॉर्म में दिखे हैं, लेकिन टीम को एक बड़ी साझेदारी की जरूरत है। गेंदबाजी में पथिराना, मुकेश और खलील अहम रोल निभाएंगे, वहीं जडेजा, अश्विन और नूर अहमद स्पिन विभाग संभालेंगे।

कोलकाता को भी करनी होगी वापसी

वहीं कोलकाता की टीम भी पिछली हार से उबरकर मजबूत प्रदर्शन करना चाहेगी। कप्तान रहाणे, डिकॉक, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाज टीम की ताकत हैं। गेंदबाजी में वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती पर जिम्मेदारी होगी। खासकर चक्रवर्ती, जो पिछले मैच में विकेट नहीं ले सके थे, को चेपक में अपनी फिरकी से कमाल दिखाना।

कड़ी टक्कर की उम्मीद

दोनों ही टीमें जीत की राह पर लौटना चाहती हैं, ऐसे में चेपक में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। CSK को जहां धोनी फैक्टर का सहारा है, वहीं KKR के पास पावर हिटर्स और युवा जोश है। अब देखना ये है कि कौन सी टीम हालातों से उबरकर जीत की पटरी पर लौटती है।

आमने-सामने

- कुल मुकाबले : 30
- चेन्नई जीता : 19
- कोलकाता जीता : 10
- बेनतीजा : 1

नंबर गेम

- 7 विकेट से हराया था चेन्नई ने पिछले साल कोलकाता को एकमात्र मुकाबले में
- 5 विकेट दूर हैं अश्विन टीम की ओर से सौ विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बनने से

जडेजा बनेंगे दो हजारी

रवींद्र जडेजा चेन्नई की ओर से दो हजार रन बनाने वाले पांचवें खिलाड़ी बनने से सिर्फ 18 रन दूर हैं।

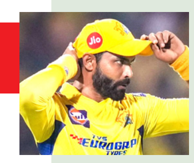

यह ऑलराउंडर 177 मैचों की 130 पारियों में 135.75 की स्ट्राइक रेट से तीन अर्धशतकों से 1982 रन बना चुका है। वहीं, जडेजा 7.58 की इकोनॉमी से 135 विकेट भी चटका चुके हैं। वह टीम की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने में दूसरे नंबर पर हैं। उनसे आगे ड्वेन ब्रावो

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट के स्वर्ण के लिए छह टीमें पेश करेंगी दावा

एजेंसी | नई दिल्ली

ओलंपिक खेलों में आखिरकार क्रिकेट को शामिल करने का फैसला कर लिया गया है। लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले आगामी ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने बुधवार को इसकी पुष्टि कर दी। इस तरह से ओलंपिक खेलों में 128 वर्षों के बाद क्रिकेट की वापसी होगी। उसमें पुरुष और महिला वर्ग में से प्रत्येक में छह-छह टीमें स्वर्ण पदक के लिए अपना दावा पेश करेंगी। ओलंपिक खेलों में इससे पहले पेरिस में 1900 में आयोजित किए गए खेलों में क्रिकेट को शामिल किया गया था। तब क्रिकेट में फ्रांस और ग्रेट ब्रिटेन ने ही हिस्सा लिया था। इन दोनों टीम के बीच दो दिवसीय मैच खेला गया था जिसे अनधिकृत टेस्ट मैच का दर्जा हासिल है।

कुछ विशेष बातें

- ओलंपिक 2028 के लिए रिकॉर्ड 351 पदक स्पर्धाओं को मंजूरी
- नए खेलों के बावजूद खिलाड़ियों की संख्या 10,500 ही रहेगी
- खिलाड़ियों की संख्या में नए खेलों के 698 खिलाड़ी भी शामिल
- ओलंपिक इतिहास में पहली बार टीम खेलों में पुरुष और महिला खिलाड़ियों की संख्या समान होगी
- मुक्केबाजी में पुरुषों की तरह महिला वर्ग में भी समान सात वजन वर्ग होंगे

टी-20 प्रारूप में होंगे मुकाबले

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट के मुकाबले टी-20 प्रारूप में आयोजित किए जाएंगे। इनमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में सभी छह टीमें 15 सदस्यीय टीम का चयन कर सकती हैं क्योंकि पुरुष और महिलाओं दोनों में 90-90 खिलाड़ियों का कोटा आवंटित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे 12 पूर्ण सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा 94 देश एसोसिएट सदस्य हैं।

क्वालीफाई का तरीका तय नहीं

ओलंपिक 2028 में क्रिकेट में टीमों के क्वालीफाई करने के तरीके की अभी तक पुष्टि नहीं की गई है लेकिन अमेरिका को मेजबान देश होने के कारण सीधा प्रवेश मिलना तय है। प्रत्येक वर्ग में बाकी पांच टीमें क्वालिफिकेशन के जरिए इसमें अपनी जगह बनाएंगी। माना जा रहा है कि किसी निश्चित समय सीमा तक आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाली पांच टीमों को अमेरिका के साथ ओलंपिक खेलों में प्रवेश किया जाएगा।

लेवांडोवस्की, रफिन्हा ने बार्सिलोना को बड़ी जीत दिलाई

- बार्सिलोना 2019 के बाद पहली बार सेमीफाइनल के करीब
- पेरिस सेंट जर्मेन ने एस्टन विला को 3-1 से शिकस्त दी

एजेंसी | बार्सिलोना

रॉबर्ट लेवांडोवस्की और रफिन्हा के धमाकेदार खेल की बदौलत बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में बोरूसिया डॉर्टमंड को 4-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ बार्सा ने 2019 के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचने की प्रबल उम्मीदें जगा दी हैं। लेवांडोवस्की ने दो शानदार गोल दागे, वहीं रफिन्हा ने एक गोल किया और एक में असिस्ट किया। लैमिन यामल ने भी एक गोल कर जर्मन टीम की वापसी की उम्मीदों को लगभग खत्म कर दिया। क्वार्टर फाइनल का दूसरा चरण मंगलवार को डॉर्टमंड में खेला जाएगा। डॉर्टमंड की टीम पिछले साल फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन इस बार उन्हें स्पेन की टीम के सामने पहले ही चरण में बड़ा झटका लग गया है।

ऑस्ट्रेलिया से पांच टेस्ट खेलेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से चार मई तक ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर रहेगी। इस दौरान टीम उसकी ए टीम और सीनियर टीम से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। दौरे की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को दो मुकाबलों से होगी। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को यह घोषणा की। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ एक मई, तीन मई और चार मई को तीन मैच खेलेगी। सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में होंगे। यह दौरा जून में शुरू होने वाले

'यह दौरा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए हमारी तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से हमारे खिलाड़ियों को अपने खेल का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा।'
-हरेंद्र सिंह, भारतीय कोच

एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी अहम है। भारतीय टीम रैंकिंग में नौवें जबकि ऑस्ट्रेलिया पांचवें नंबर पर है।

नंबर गेम

- *26 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबले से होगा आगाज*
- *3 मैच सीनियर टीम से खेलेगी भारतीय टीम, सभी मैच पर्थ में होंगे*

12 साल में भारत ने सिर्फ तीन मैच जीते

- भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले 12 साल में (2013 के बाद) सिर्फ तीन मुकाबले जीते हैं। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 16 मैच खेले गए। ऑस्ट्रेलिया ने 10 जीते जबकि तीन बराबरी पर छूटे।

सिंधु का सफर खत्म, कपिला-क्रास्टो क्वार्टर फाइनल में

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

एजेंसी | निंगबो

भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी प्रियांशु राजावत का बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सफर गुरुवार को अंतिम-16 में थम गया। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु ने चौथे नंबर की जापान की अकाने यामागुची को कड़ी टक्कर दी लेकिन उनसे पार नहीं पार सकीं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को एक घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में 12-21, 21-16, 16-21 से हार झेलनी पड़ी। राजावत जापान के कोडाई नाराओका से सीधे गेम में 14-21, 17-21 से हार गए। किरण जॉर्ज को थाईलैंड के पांचवें वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण से संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-19, 13-21, 16-21 से हार मिली।

बॉलीवुड

'भूल चूक माफ' में शादी से परेशान दिखे राजकुमार, ट्रेलर ने बटोरी सुर्खियां

राजकुमार राव एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार हैं। पिछली बार उन्हें फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। लेकिन अब वह 'भूल चूक माफ' के जरिए वापसी कर रहे हैं, और इस बार उनके साथ नजर आएंगी वामिका गब्बी। फिल्म को लेकर पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी। इसका पोस्टर और टीजर सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया गया था। अब मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जो दिलचस्प कहानी और झलकियों के चलते काफी सराहा जा रहा है। ट्रेलर देखकर साफ है कि 'भूल चूक माफ' में राजकुमार राव एक बार फिर अपने 'स्त्री' वाले चटपटे अंदाज़ में लौटे हैं। उनके हाव-भाव, संवाद अदायगी और कॉमिक टाइमिंग ने ट्रेलर में ही दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर दिया। वामिका गब्बी के साथ उनकी जोड़ी पहली बार पर्दे पर नजर आ रही है, लेकिन दोनों की केमिस्ट्री कमाल की लग रही है। छोटे शहर की पृष्ठभूमि में रची गई इस रोमांटिक कॉमेडी में

हल्के-फुल्के इमोशंस और रिश्तों की उलझनों को बड़े ही मजेदार अंदाज में दिखाया गया है। ट्रेलर में दिख रहा है कि राजकुमार अपनी प्रेमिका वामिका से शादी करने को बेताब हैं।

रियलिटी शो को लेकर सिंगर शान ने किया चौंकाने वाला खुलासा

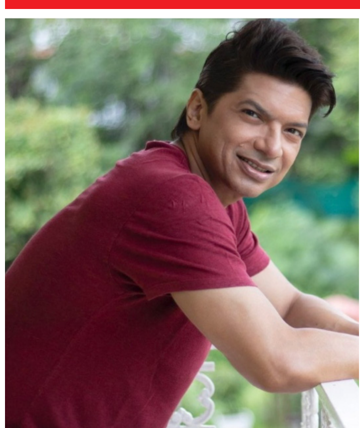

बॉलीवुड के चहेते गायक शान ने अपनी मधुर आवाज से कई सुपरहिट गानों के जरिए श्रोताओं के दिलों में खास जगह बनाई है। उन्होंने द वॉयस ऑफ इंडिया और सारेगामपा लिटिल चैंप्स जैसे पॉपुलर रियलिटी सिंगिंग शोज़ में बतौर जज भी शिरकत की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में शान ने इन रियलिटी शोज़ से जुड़ी कुछ अनकही सच्चाइयों पर भी रौशनी डाली। रियलिटी शोज़ को लेकर लंबे समय से यह चर्चा होती रही है कि ये पूरी तरह स्क्रिप्टेड होते हैं और प्रतियोगियों के भावनात्मक पहलुओं को जबरदस्ती उभारने की कोशिश की जाती है। अब इस मुद्दे पर मशहूर गायक शान ने खुलकर अपनी राय रखी है। हाल ही में शान एक पॉडकास्ट में नज़र आए, जहां उन्होंने रियलिटी शोज की पर्दे के पीछे की सच्चाई से पर्दा उठाया। शान ने बातचीत के दौरान बताया कि रियलिटी शो में जिस तरह से भावनाओं को पेश किया जाता है, वो कई बार काफी बनावटी और स्क्रिप्टेड लगता है। उन्होंने कहा, 2018 के बाद रियलिटी शोज़ की दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। अब टैलेंट से ज्यादा फोकस इमोशनल बैकस्टोरीज़ पर होने लगा है। कई बार प्रतियोगियों से उनके व्यक्तिगत दुख-दर्द को बार-बार दोहराने को कहा जाता है, ताकि दर्शकों की सहानुभूति हासिल की जा सके। शान का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म नए टैलेंट्स को सामने लाने के लिए ज़रूरी हैं।

फ़िल्म के सेट से लीक हुआ रणवीर सिंह का नया लुक

रणवीर सिंह ने अपने करियर में ऐसे किरदार निभाए हैं, जो न केवल चुनौतीपूर्ण थे, बल्कि अपनी गहराई और विविधता के कारण यादगार भी बन गए। चाहे बात हो 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी के खतरनाक और अप्रत्याशित किरदार की, या '83' में कपिल देव जैसे आइकॉनिक क्रिकेटर की भूमिका की, रणवीर ने हर किरदार को पूरे समर्पण और ईमानदारी से निभाया। अपने हर रोल में जान फूंकने की काबिलियत ने रणवीर को इंडस्ट्री का ट्रांसफॉर्मेशन मास्टर बना दिया है। उन्होंने ये साबित कर दिया है कि वह सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक सच्चे कलाकार हैं, जो हर बार खुद को नए सांचे में ढालने की ताकत रखते हैं।

फिटनेस फ्रीक बने कपिल शर्मा, नए लुक ने उड़ाए फैंस के होश

मशहूर कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा का हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसके बाद वह चर्चा का विषय बन गए हैं। कपिल शर्मा इस वीडियो में काफी पतले नजर आ रहे हैं, जिन्हें देखकर फैंस हैरान हैं। वीडियो में वह बहुत स्लिम और फिट दिख रहे हैं। उनका नया लुक देखकर फैंस भी हैरान हैं, क्योंकि यह लुक करण जौहर के लुक के कुछ दिन बाद ही सामने आया है। कपिल शर्मा हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए और इस बार उनका बदला-बदला अंदाज़ देखकर हर कोई चौंक गया। मशहूर कॉमेडियन ने काफी वजन घटा लिया है, और उनका ट्रांसफॉर्मेशन फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। एयरपोर्ट पर कपिल को ट्रेंडी को-ऑर्ड सेट में देखा गया, जिसमें वो बेहद स्मार्ट और फिट नजर आ रहे थे। उनका यह नया अवतार सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में लोग न सिर्फ उनकी फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि यह जानने के लिए भी उत्साहित हैं कि आखिर उन्होंने ऐसा कमाल कैसे किया। कपिल शर्मा का वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कपिल लॉकडाउन के बाद से ही अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। 2020 में एक शूटिंग के दौरान कपिल शर्मा ने बताया था कि उन्होंने करीब 11 किलो वजन कम किया है।

अजय देवगन ने 'धमाल 4' पर दिया अपडेट

जब कोई फिल्म हिट हो जाती है, तो दर्शक उसे बार-बार देखना पसंद करते हैं। इसी उत्साह का फायदा उठाते हुए निर्माता अक्सर उसका सीक्वल बनाने में जुट जाते हैं। कई बार ये सीक्वल भी उतना ही हिट हो जाता है। अब एक और लोकप्रिय फिल्म का सीक्वल दर्शकों के लिए तैयार हो रहा है 'धमाल 4'। 'धमाल' बॉलीवुड की सबसे चहेती कॉमेडी फ्रेंचाइजी में से एक है, जिसके किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। हाल ही में अभिनेता अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर 'धमाल 4' को लेकर एक बड़ा अपडेट शेयर किया है, जिसने फैंस के बीच उत्साह और भी बढ़ा दिया है।

अजय देवगन और रितेश देशमुख एक तरफ वे 'रेड 2' की आगामी रिलीज को लेकर चर्चा में हैं, वहीं दूसरी तरफ दोनों ने फिल्म 'धमाल 4' की शूटिंग पूरी कर ली है। अजय देवगन ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कर बताया कि इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म 'धमाल 4' के पहले शेड्यूल की शूटिंग मालशेज घाट पर पूरी हो गई है।

अप्रैल में ही रिकॉर्ड तोड़ेगी बिजली की मांग

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के अधिकांश हिस्सों में बेतहाशा गर्मी ने बिजली की मांग को भी बढ़ा दिया है और अब बिजली मंत्रालय का अनुमान है कि बिजली की मांग अप्रैल महीने के दौरान ही रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। पिछले साल मई में बिजली की पीक आवर डिमांड एक समय 2.50 लाख मेगावाट पहुंच कर रिकॉर्ड बना था। ताजी स्थिति यह है कि मार्च, 2025 में बिजली की मांग अधिकतम 2.35 लाख मेगावाट पहुंच चुकी है जो मार्च, 2024 के मुकाबले 6.9 फीसद ज्यादा थी। जबकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मार्च, 2025 में जिस तरह से पिछले तीस वर्षों के औसत से ज्यादा गर्मी रही है, वैसे ही स्थिति अप्रैल, 2025 में रहेगी।

बिजली की मांग में वृद्धि

वैसे अभी देश के बिजली संयंत्रों की जो स्थिति है, उसके मुताबिक बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में किसी तरह की परेशानी आने की संभावना नहीं है। गुरुवार को जारी क्रिसिल की रिपोर्ट में देश की बिजली की मांग और बिजली उत्पादन की स्थिति की समीक्षा की गई है। मार्च, 2025 में बिजली की मांग में 6.9 फीसद की वृद्धि हुई है जो आम तौर पर इस महीने बिजली की मांग में होने वाली वृद्धि से 50 फीसद ज्यादा है।

डा. अनिल जयहिंद एआईसीसी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने डॉ. अनिल जयहिंद (डॉ. अनिल कुमार यादव) को तत्काल प्रभाव से एआईसीसी ओबीसी विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक बयान में दी। उन्होंने कहा कि पार्टी निवर्तमान अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव के योगदान की सराहना करती है।

सुप्रीम कोर्ट की रिपोर्ट में खुलासा

उच्च न्यायालयों में मुकदमों का बोझ सालाना 8% बढ़ा

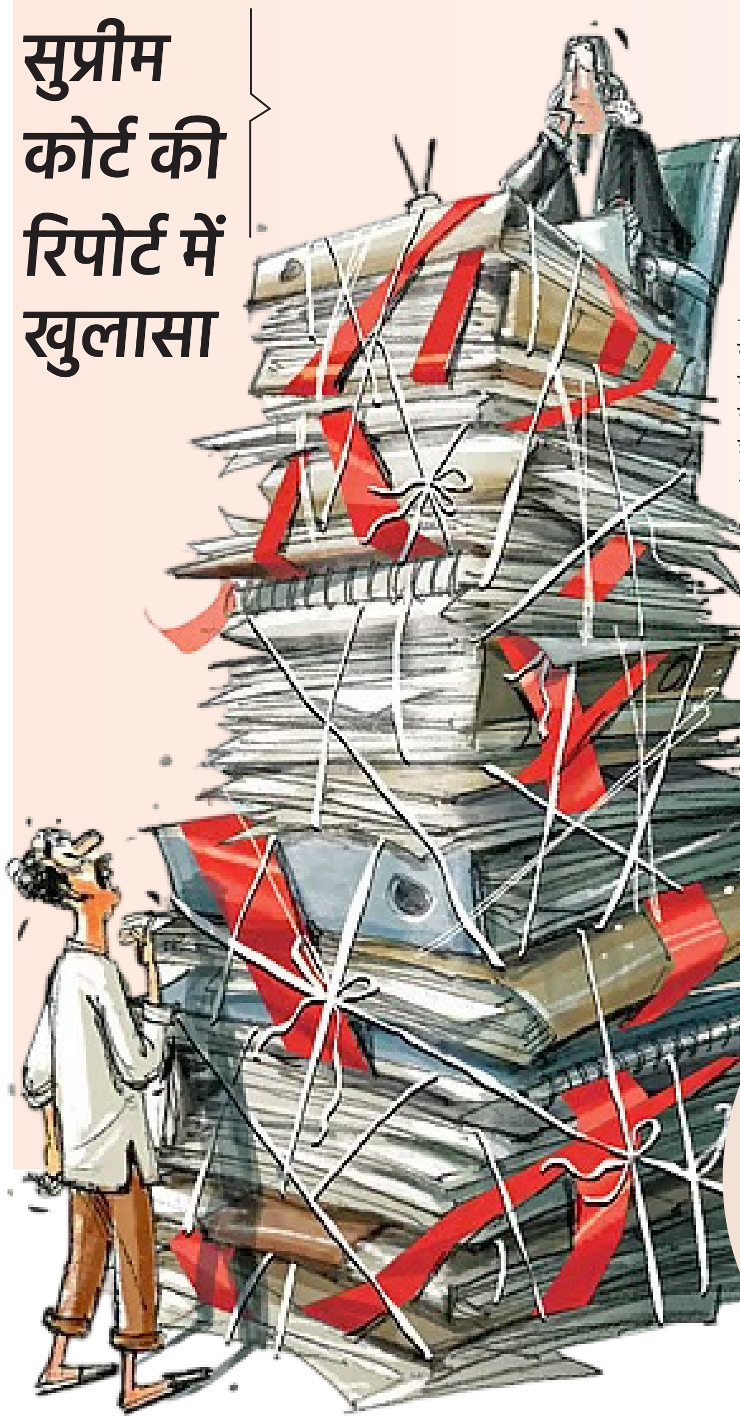

एजेंसी । नई दिल्ली

तमाम प्रयासों के बाद भी, जजों की कमी के चलते देशभर के उच्च न्यायालयों में मुकदमों का बोझ कम होने के बजाए और बढ़ रहा है। उच्च न्यायालयों में सालाना 7 से 8 फीसदी की दर से मुकदमों की संख्या में इजाफा हो रहा है। ये स्थिति तब है, जब उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश जिला अदालत के जजों की तुलना में सालाना अधिक मुकदमों का निपटारा कर रहे हैं। इसका खुलासा सुप्रीम कोर्ट की एक रिपोर्ट में किया गया है। राज्य न्यायपालिका के समक्ष आने वाली चुनौतियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर यह रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 'उच्च न्यायालयों में सालाना औसतन 93.77 फीसदी मामलों का निपटारा किया जा रहा है। इनमें से सिविल मामले 95.43 फीसदी और आपराधिक मामले 91.53 फीसदी की दर से निपटारा किया जा रहा है। इसके बावजूद, सालाना आधार पर उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों में 7 से 8 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च न्यायालयों में हर साल प्रति न्यायाधीश सालाना 3,169 मामले दाखिल होते हैं, जबकि हर न्यायाधीश सालाना 2,971 मामलों का निपटारा कर रहे हैं। उच्च न्यायालयों के प्रत्येक जज जिला अदालतों की तुलना अधिक मामलों का निपटारा कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान उच्च न्यायालय में प्रति 20,458 मामलों का बोझ है जबकि इलाहाबाद में 13,309 मामले और दिल्ली में प्रति महज 3,270 मामले हैं।

उच्च न्यायालयों में जजों की भारी कमी

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के उच्च न्यायालयों में जजों की भारी कमी है। देश के सबसे बड़े राज्य के उत्तर प्रदेश के हाईकोर्ट में सबसे अधिक जजों के पद खाली है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 50 फीसदी जजों की कमी है, जबकि सबसे अधिक मुकदमे यहां लंबित है। रिपोर्ट के मुताबिक ओडिशा हाईकोर्ट में 42 .22 फीसदी, कलकत्ता 40 फीसदी और दिल्ली हाईकोर्ट में जजों की 38 फीसदी पद खाली है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

- देश में सबसे अधिक महाराष्ट्र 56 .34 फीसदी जजों के पद रिक्त हैं। मेघालय 42 .42 फीसदी, गुजरात 37 .65 फीसदी, सिक्किम 37 .14फीसदी, लद्दाख 35 .29फीसदी, मिजोरम 35 .14फीसदी, पुडुचेरी 33 .33फीसदी, तेलंगाना 31 .89फीसदी, नागालैंड 31 .43फीसदी और गोवा 31 .03 फीसदी शामिल हैं।
- केरल के जज सबसे अधिक मामले निपटारा रहें हैं। जबकि बिहार में सबसे कम। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे से अधिक केरल में सबसे अधिक प्रति जज 2000 से अधिक मामले का सलाना निपटारा करते हैं, जबकि सबसे कम बिहार में महज 485 मामले का। दिल्ली में प्रति जज 979 मामलों का सालाना निपटारा करते हैं।

मुकदमा निपटाने में झारखंड उच्च न्यायालय सबसे आगे

- रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड उच्च न्यायालय में सबसे तेजी से मामलों का निपटारा किया जा रहा है। इस उच्च न्यायालय से सालाना 128 .83 फीसदी की दर से मुकदमा का निपटारा कर रहे हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि कई अन्य उच्च न्यायालय हैं जो सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 100 फीसदी से अधिक की दर से मुकदमा का निपटारा कर रहे हैं। 100 फीसदी से अधिक की दर से मुकदमा निपटारा करने वाले उच्च न्यायालय। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय 113 .38 फीसदी, त्रिपुरा उच्च न्यायालय 110 .49 फीसदी , पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय 106 .48 फीसदी, मद्रास उच्च न्यायालय 105 .01 फीसदी, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय 103 .23 फीसदी , उड़ीसा उच्च न्यायालय 101 .04 फीसदी और कलकत्ता उच्च न्यायालय 100 .42 फीसदी की दर से मामलों का निपटारा कर रहे हैं।

जिला अदालतों में मुकदमों के निपटारा में आई

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की जिला अदालतों में पिछले 6 सालों में मुकदमों के निपटारे में तेजी आई है। इसमें कहा है कि जिला अदालतों में 2018 में जहां 88 फीसदी की दर से मामलों का निपटारा हो रहा था वही अब बढ़कर 96 फीसदी हो गया। यानी जिला अदालतों में मुकदमों के निपटारा में 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड के आंकड़ों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की जिला अदालतों में सालाना औसतन 96 फीसदी की दर से मामलों का निपटारा हो रहा है। इनमें 103 फीसदी की दर से दीवानी और 94 फीसदी की दर से आपराधिक मामलों का निपटारा किया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की जिला अदालतों में 21,153 न्यायिक अधिकारी (जज) हैं।

गुरदासपुर में आईईडी बरामद

बीएसएफ खोजबीन के लिए चलाएगी बड़ा अभियान

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तान से सटे पंजाब बॉर्डर पर बढ़ते आईईडी खतरे को देखते हुए सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने बड़ा कदम उठाया है। बीएसएफ अब सीमा क्षेत्र में बड़े स्तर पर तलाशी और सफाई अभियान चलाने जा रही है। यह फैसला तब लिया गया जब गुरदासपुर में बुधवार को एक खेत में आईईडी विस्फोट से एक जवान घायल हो गया और दो बम बरामद किए गए। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, जिस खेत में आईईडी मिला था, वह बाड़ से आगे के क्षेत्र में था और वहां पहले से ही तोड़फोड़ रोधी जांच जारी थी।

सुरक्षा समन्वय के लिए किया गया क्षेत्रीय पुनर्वितरण

अधिकारियों ने बताया कि पंजाब फ्रंटियर की 553 किलोमीटर लंबी सीमा में से लगभग 20 .3 किलोमीटर का जिम्मा अब जम्मू फ्रंटियर को सौंप दिया गया है। यह बदलाव पठानकोट के नदी क्षेत्रों में सुरक्षा समन्वय बेहतर बनाने के लिए किया गया है, क्योंकि पठानकोट, जम्मू क्षेत्र से सटा हुआ है। भारत और पाकिस्तान के बीच कुल 2,289 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जिसकी सुरक्षा का जिम्मा बीएसएफ को सौंपा गया है। पंजाब में हाल के दिनों में ड्रोन, हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई है।

सीमा पार करने की ताक में तस्कर, तीन कोशिशें नाकाम

कोलकाता। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ के पास अग्रिम पंक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। महिला प्रहरी और जवानों ने सीमा पर सतर्कता और कड़ी निगरानी से अवैध सीमा पार की तीन विभिन्न कोशिशों को नाकाम करते हुए 19 मवेशियों को तस्कर के चंगुल से बचा कर तस्करी के प्रयासों को विफल कर दिया। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक, घटना भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा (जिला मालदा) पर गुरुवार सुबह सीमा चौकी आर के वाधवा की है। रात की दूसरी शिफ्ट में ड्यूटी पर तैनात महिला प्रहरी ने कुछ भारतीय तस्करों को पशुओं के साथ रात के अंधेरे में देखा। महिला प्रहरी ने तुरंत ड्यूटी पर तैनात अपने अन्य साथियों को सतर्क किया और तस्करों की ओर बढ़ी। अदम्य साहस का परिचय देते हुए महिला सीमा रक्षक ने बढ़ते हुए तस्करों के सम्मुख चुनौती दी। तस्कर ने चेतावनी को नजरअंदाज कर आक्रामक रूप से आगे बढ़ना जारी रखा।

शिक्षा के मंदिर में आमानवीय बर्ताव

मासिक धर्म के कारण बच्ची को परीक्षा के दौरान क्लास से बिठाया बाहर

एजेंसी । कोयंबटूर

तमिलनाडु के कोयंबटूर से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है, यहां शिक्षा के मंदिर यानी स्कूलमें एक दलित बच्ची को जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ा। अनुसूचित जाति की कक्षा 8वीं में पढ़ने वाली लड़की को उसके स्कूल में क्लास से परीक्षा के दौरान सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया क्योंकि वह दूसरे जाति की है और उसे उसके जीवन का पहला मासिक धर्म आया था। लड़की का मां ने इस वाकये का पूरा वीडियो बनाया और घटना की शिकायत शिक्षा अधिकारियों से की।

जिलाधिकारी ने कही कार्रवाई की बात

मामले को लेकर कोयंबटूर के जिला कलेक्टर पवन कुमार जी गिरियप्पनवर ने कहा कि कोयंबटूर ग्रामीण पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। स्कूल के इंस्पेक्टर को जिला प्रशासन को डिटेल रिपोर्ट देने को कहा गया। मामले को लेकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्राइवेट स्कूल ने की हरकत

टीओआई के मुताबिक, कोयंबटूर में अनुसूचित जाति (अरुणथियार) की एक लड़की को किनाथुकदावु तालुक के पास एक निजी मैट्रिकुलेशन स्कूल में कक्षा से बाहर परीक्षा देने के लिए बिठा दिया गया। लड़की ने अपनी मां को यह बात बताई तो दूसरे दिन भी परीक्षा के दौरान उसे बाहर बिठा दिया गया जिसका उसकी मां ने वीडियो बना लिया। जानकारी दे दें कि घटना किनाथुकदावु तालुक के सेंगुट्टईपलायम गांव में स्वामी चिभ्दवंदा मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ने वाली लड़की के साथ हुआ।

दो दिन क्लास से किया बाहर

लड़की को 5 अप्रल को उसका पहला मासिक धर्म (पीरिएड) आया। फिर उसके दो दिन बाद ही यानी 7 अप्रैल को उसका साइंस का पेपर हुआ, जिसमें उसे बाहर बिठा दिया गया। फिर 8 अप्रैल को भी सोशल साइंस की परीक्षा के दौरान भी उसे कक्षा से बाहर बिठा दिया गया। टीओआई से बात करते हुए एक दलित कार्यकर्ता ने कहा लड़की ने 7 अप्रैल की शाम को मां से इस घटना की जानकारी दी। मां दूसरे दिन स्कूल गई तो देखा कि उसकी बेटी को फिर परीक्षा देने के लिए कक्षा के बाहर बिठाया गया है। उसने अपने मोबाइल कैमरे से घटना को रिकॉर्ड कर लिया। फिर बुधवार की रात को ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

एनडीए में शामिल मणिपुर के विधायक वक्फ कानून के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे नूरुल हसन, तृणमूल सांसद ने भी दाखिल की याचिका

एजेंसी । नई दिल्ली

एनडीए के घटक दल नेशनल पीपुल्स पार्टी इंडिया (एनपीपी) के नेता और मणिपुर के विधायक शेख नूरुल हसन और तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 को चुनौती दी। क्षेत्रगाओ निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हसन ने अपनी याचिका में वक्फ कानून में किए गए उस बदलाव पर चिंता जाहिर की, जिसमें इस्लाम का पालन करने वाले अनुसूचित जनजातियों को अपनी संपत्ति वक्फ को देने से वंचित किया गया है। कहा गया है कि यह उनके अपने धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। कानून में किए गए संशोधन को मनमाना और मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों को नियंत्रित करने का प्रयास बताया है।

मोइत्रा ने संशोधन प्रक्रिया पर सवाल उठाए

तृणमूल सांसद मोइत्रा ने अपनी याचिका में कानून में संशोधन की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। कहा है कि संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष ने संशोधन विधेयक पर समिति की मसौदा रिपोर्ट पर विचार करने, उसे अपनाने और संसद में रिपोर्ट प्रस्तुत करने में नियमों का उल्लंघन किया।

स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी, आठ लाख पद खाली

देश के एक लाख से अधिक स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे

एजेंसी । नई दिल्ली

देशभर में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) को ज़मीन पर उतारने की कोशिशें ज़ोरों पर हैं, लेकिन शिक्षकों की भारी कमी इस नीति की राह में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आई है। देश के स्कूलों में अभी भी लगभग आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में यह आंकड़ा थोड़ा घटा है। पहले यह संख्या 10 लाख से अधिक थी। शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, एक लाख से अधिक प्राथमिक स्कूल ऐसे हैं जो केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है।

भर्ती प्रक्रिया हो समय से पहले : मंत्रालय का सुझाव

मंत्रालय ने यह भी सुझाव दिया है कि सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों की तीन-तीन महीने पहले जानकारी एकत्र कर खाली पदों पर पहले से भर्ती की योजना बनाई जाए। इससे शिक्षकों की कमी से समय रहते निपटा जा सकेगा।

98 लाख शिक्षक, फिर भी आठ लाख पद खाली

देश में इस समय कुल 98 लाख शिक्षक कार्यरत हैं, लेकिन इसके बावजूद 8 लाख पद खाली हैं। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में शिक्षकों की स्थिति सबसे खराब बताई गई है।

गांवों में सबसे ज़्यादा असर

देश में कुल 14 .71 लाख स्कूल हैं, जिनमें से केवल 2 .60 लाख शहरी क्षेत्रों में हैं, जबकि 12 .12 लाख से अधिक स्कूल ग्रामीण इलाकों में हैं। शिक्षकों की कमी का सबसे ज़्यादा असर भी इन्हीं ग्रामीण स्कूलों पर पड़ा है।

दो दिन में आकाशीय बिजली गिरने से 38 लोगों की मौत

एजेंसी । पटना

बिहार में आसामानी आफत से बीते दो दिन में सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 38 लोगों की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई है। बीते बुधवार को जहां 13 लोगों की मौत हुई थी, वहीं शुक्रवार को 25 लोगों की मौत हो गई है। इन मौतों पर मुख्यमंत्री ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। भीषण आंधी-पानी से आज नालंदा में 18, आकाशीय बिजली से सीवान में 02, कटिहार में 01, दरभंगा में 01, बेगूसराय में 01, भागलपुर में 01 तथा जहानाबाद में 01 व्यक्ति की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मर्माहत हैं। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

न्याय पथ के जरिए कांग्रेस ने राष्ट्रवाद और विचारधारा को दी धार

- ▸▸ अहमदाबाद में आयोजित अधिवेशन में पहली बार राष्ट्रवाद पर अपनाया आक्रामक रुख
- ▸▸ विचारधारा को लेकर पार्टी ने असमंजस की स्थिति की साफ

एजेंसी । नई दिल्ली

कई चुनावों में शर्मनाक हार से जूझ रही कांग्रेस ने अहमदाबाद में न्यायपथ अधिवेशन के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की कोशिश की है। इस अधिवेशन में पार्टी ने एक तरफ यह संदेश दिया कि मजबूत विचारधारा के बगैर कोई पार्टी भाजपा और आरएसएस का मुकाबला नहीं कर सकती। साथ ही पार्टी ने संगठन के अंदर भी विचारधारा को स्पष्ट किया है। राष्ट्रवाद के मुद्दे पर कांग्रेस ने पहली बार भाजपा पर पलटवार किया है। अधिवेशन के जरिए कांग्रेस ने राष्ट्रीय राजनीति, संगठन और गुजरात को संदेश दिया। इसके अलावा, राजनीतिक प्रस्ताव में इंडिया गठबंधन के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देते गठबंधन की राह पर चलने की बात रखी। वहीं, जिला अध्यक्षों को अधिकार देने का ऐलान कर संगठन मजबूत बनाने का प्रयास किया है।

एक दशक में पहली बार आक्रामक रुख

पिछले एक दशक में यह पहला मौका है, जब कांग्रेस ने राष्ट्रवाद पर आक्रामक तरीके से अपना रुख रखते हुए भाजपा के राष्ट्रवाद को छद्म राष्ट्रवाद करार दिया है। न्यायपथ अधिवेशन के जरिए कांग्रेस संगठन के अंदर भी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संदेश देने की कोशिश की है। पार्टी अध्यक्ष ने साफ कहा कि जो नेता या कार्यकर्ता काम नहीं करना चाहते हैं, उन्हें फौरन रिटायर हो जाना चाहिए।

राहुल ने साफ किया

कांग्रेस के अंदर सबसे बड़ी दुविधा विचारधारा को लेकर थी। पार्टी के अंदर एक बड़ा तबका सॉफ्ट हिंदुत्व की वकालत करता रहा है। पर न्यायपथ अधिवेशन में राहुल गांधी ने साफ कर दिया कि विचारधारा को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने किया कि पार्टी भाजपा के हिंदुत्व को नहीं मानती है।
भाजपा के हिंदू धर्म की परिभाषा और कांग्रेस के हिंदू धर्म में भी फर्क है।

एकजुटता भी जताई

न्यायपथ अधिवेशन में कांग्रेस ने कई मुद्दों पर इंडिया गठबंधन के साथ एकजुटता भी जताई। चर्चा के दौरान वक्फ संशोधन अधिनियम, ईवीएम और मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी जैसे कई मुद्दे उठे। इन पर इंडिया गठबंधन के घटकदलों के बीच लगभग एक राय है। पार्टी एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा घटकदल है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारियां भी अधिक है। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि दिल्ली और हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की भूमिका को लेकर कई तरह के सवाल उठे थे।